केंद्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल, हुमहामा

विद्यालय पत्रिका

ज्ञान और आचरण

वर्ष 2024-25

Scanned with CamScanner

संकेत विवरण

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	श्री नगेन्द्र गोयल उपायुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन जम्मू संभाग (संदेश)	1-2
2	श्री प्यारा लाल सीमा सुरक्षा बल हुम्हामा श्रीनगर (संदेश)	3
3	सम्पादक की कलम से	4
4	अध्यापक / अध्यापिका की कलम से	अ० 1 -3
5	जीवन संदेश	जी० 1
6	हिन्दी विषय	हि० 1-38
7	अंग्रेजी विषय	Eng 1 – 20
9	चित्रकला	Art 1 – 17
10	कार्यानुभव	WE 1 - 12
11	संस्कृत	SKT 1 – 14
12	पुस्तकालय	LIB 1 - 8

scanned with CamSc

संदेश

प्रिय विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों,

यह अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है कि केंद्रीय विद्यालय [illegible] अपनी वार्षिक विद्यालय पत्रिका "ज्ञान और आचरण" प्रकाशित कर रहा है। यह पत्रिका केवल एक प्रकाशन नहीं, बल्कि विद्यालय की सृजनात्मक उपलब्धियों, शिक्षकों के समर्पण और विद्यार्थियों की रचनात्मक सोच का एक जीवंत दस्तावेज है।

आज के आधुनिक युग में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। 21वीं सदी की शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि यह जीवन कौशल, नैतिक मूल्यों, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तकनीकी दक्षता का समन्वय बन चुकी है। इस युग में "ज्ञान आधारित समाज" की परिकल्पना की जा रही है, जहाँ केवल जानकारी प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उस ज्ञान को रचनात्मक और व्यावहारिक रूप से प्रयोग करना ही सच्ची शिक्षा है।

आज शिक्षा से अपेक्षा है कि वह विद्यार्थियों में समस्या समाधान की क्षमता, आलोचनात्मक सोच, डिजिटल साक्षरता और नेतृत्व क्षमता का विकास करे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), मशीन लर्निंग, डेटा साइंस और स्वचालन जैसी तकनीकों के इस दौर में पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ डिजिटल और तकनीकी ज्ञान भी अनिवार्य हो गया है। इसलिए, हमारे विद्यार्थियों को न केवल अकादमिक रूप से सक्षम होना चाहिए, बल्कि उन्हें व्यावहारिक ज्ञान और नैतिक मूल्यों से भी समृद्ध होना होगा।

एक सशक्त और उन्नत समाज की नींव शिक्षा पर ही टिकी होती है। "ज्ञान ही शक्ति है" - यह उक्ति आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी पहले थी। एक शिक्षित समाज ही अपने नागरिकों को आत्मनिर्भर बना सकता है, वैज्ञानिक शोध को बढ़ावा दे सकता है और सामाजिक बुराइयों को दूर कर सकता है। हमारी शिक्षा प्रणाली को इस दिशा में कार्य करना चाहिए कि विद्यार्थी केवल अपने व्यक्तिगत विकास तक सीमित न रहें, बल्कि वे समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझें और एक अच्छे नागरिक बनें।

विद्यालय पत्रिका "ज्ञान और आचरण" विद्यार्थियों के लिए अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। यह केवल लेखन, कविता, कला और विचारों को प्रस्तुत करने का मंच ही नहीं, बल्कि बच्चों की रचनात्मकता, सृजनात्मकता और अभिव्यक्ति कौशल को निखारने का एक प्रयास है। यह

Scanned with CamSc

पत्रिका उनकी सोच और भावनाओं को दिशा देने का कार्य करेगी और उन्हें प्रेरित करेगी कि वे सीखने और कुछ नया करने की प्रक्रिया को सतत बनाए रखें।

मैं विद्यालय के प्राचार्य श्री प्यारा लाल, पत्रिका के संपादक श्री जगजीत सिंह, समस्त शिक्षकों, और विशेष रूप से विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देता हूँ, जिनके अथक प्रयासों से यह पत्रिका साकार हो रही है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका ज्ञान और सृजनशीलता की एक ऐसी धारा बनेगी, जो शिक्षा के महत्व को उजागर करने के साथ-साथ विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर करेगी।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ, मैं विद्यालय परिवार को इस सराहनीय प्रयास के लिए साधुवाद देता हूँ और आशा करता हूँ कि "ज्ञान और आचरण" ज्ञान और प्रेरणा की सशक्त वाहक बनी रहेगी।

नगेन्द्र गोयल
उपायुक्त
केंद्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय जम्मू

Scanned with CamScanner

संदेश

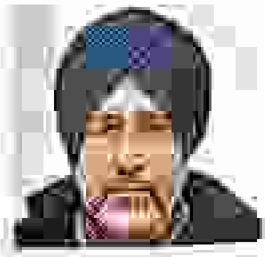

प्रिय विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों,

शिक्षा जीवन का निर्माण करती है। जीवन के समग्र विकास की दृष्टि से शिक्षा को रचनात्मक मोड़ देना आवश्यक है। शिक्षा प्रणाली को ज्ञान व बुद्धि के साथ-साथ नैतिक चरित्र एवं सांस्कृतिक व्यक्तित्व विकास परक होना चाहिए। अंतर्निहित ज्ञान-शक्ति को अभिव्यक्त करना ही शिक्षा है।

निर्धारित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त कुछ विशिष्ट गतिविधियां भी जरूरी हैं। विद्यार्थियों को साहित्यिक ज्ञान भी अनिवार्य है। इससे बच्चों में शब्द शक्ति और नव सृजन की कला को बढ़ावा मिलता है। हिन्दी पत्रिका इस क्षेत्र में सबसे उपयुक्त प्रयास है। इसका निरंतर बने रहना जरूरी है।

विद्यालय की पत्रिका विद्यालय का दर्पण होती है। उसी से विद्यालय की सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ साहित्यिक रुचि का भी पता चलता है।

विद्यालय की हिन्दी पत्रिका इस बात का प्रमाण है कि यहां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विषम परिस्थितियों में भी विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी स्वयं प्रतिबद्ध है। वे इस क्षेत्र में निरंतर सकारात्मक प्रयास कर रहे हैं।

विद्यालय पत्रिका "ज्ञान और आचरण" के प्रकाशन पर मैं अभिभावकों, विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्यों, वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य सभी का जिन्होंने पत्रिका के लिए अपनी रचनाएँ एवं चित्र प्रकाशनार्थ दिये एवं सभी को प्रोत्साहित किया, उन सभी का विनम्र आभार व्यक्त करता हूँ।

पत्रिका के संपादक मण्डल को, मैं बधाई देता हूं। विद्यालय पत्रिका "ज्ञान और आचरण" के प्रकाशन से छात्रों में निहित रचनात्मक प्रतिभा उभर कर सामने आ सकेगी तथा इन्हीं विद्यार्थियों में से भविष्य में कुछ अच्छे पत्रकार, लेखक एवं कवि के रूप में अपनी पहचान बना सकेंगे ये मेरा विश्वास है।

प्यारा लाल
प्राचार्य
केंद्रीय विद्यालय, [illegible]

संपादक की कलम से

हमारे विद्यालय के प्रांगण में बच्चों की छिपी हुई प्रतिभा को निखारकर सब के समक्ष लाने के लिए विद्यालय पत्रिका " [illegible] " एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। अपनी भाषा, सदा सम्मान होती है। सभी की अपनी भाषा है। हम सबसे सरल एवं सहज अभिव्यक्ति अपनी भाषा में कर पाते हैं। [illegible] लेखन [illegible] भी में होता है। आज के नवोदित बच्चों की कला के प्रति रुचि को प्रोत्साहित करने के साथ ही उनकी कल्पनाओं एवं विचारों को प्रस्तुत करने हेतु सार्थक भूमिका अदा कर, उनके आत्मविश्वास व व्यक्तित्व निर्माण में सहायक सिद्ध होता है।

यही आत्मविश्वास का अंश [illegible] इस वर्ष में भी विद्यार्थियों ने अनेक प्रतियोगिताओं के आयोजन द्वारा बखूबी निभाया है। विद्यार्थियों ने हिंदी साहित्य के प्रति अपने विचारों [illegible] उनका उत्साह [illegible] एक सफल कदम है। यही कदम उन्हें भावी जीवन में एक सफल व जिम्मेदार नागरिक बनने में सहायक सिद्ध होगा। विद्यार्थियों की प्रतिभा, क्षमता और लगन सदैव स्मरणीय रहे और सदा आगे बढ़ें तथा उन्हें अपने अभीष्ट लक्ष्य की प्राप्ति हो। इसी विश्वास और आशा के साथ सभी विद्यार्थियों को शुभकामना देता हूँ। मेरा आशीर्वाद सदैव आपके साथ है।

इसी शृंखला में हमारे प्रशासनिक अधिकारी व शिक्षक साथी भी किसी से कम नहीं जिन्होंने अपनी कलम से बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए कुछ न कुछ लिखा जरूर है। इसमें केंद्रीय विद्यालय संगठन के क्षेत्रीय कार्यालय जम्मू संभाग के उपायुक्त श्री [illegible] जी, विद्यालय के प्रभारी श्री प्यारा लाल जी, कला अध्यापक श्री [illegible] जी, संस्कृत अध्यापिका श्रीमती आबिदा इमरान व कार्यानुभव अध्यापक श्री कृपाल जी, संगीत अध्यापिका श्रीमती [illegible] शर्मा व विद्यालय की प्राथमिक विभाग की शिक्षिका श्रीमती खुशबू का इस पत्रिका को संपादित करने में सहयोग रहा है। इन सभी का मैं हृदय की गहराइयों से धन्यवाद अदा करता हूँ ।

आलोकित [illegible], कला, प्रतिभा के हो तुम सागर ।
अपनी कलम से कर दो, जग को तुम चमत्कृत ।
है छुपी [illegible] विद्यालय पत्रिका तुम्हें,
आगे बढ़ो ! अब विचारों को अब न दबने दो।
अपनी सुनहरी कलम से, [illegible] प्रतिभाओं को अंक कर दो, उजागर।

[illegible] सिंह
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक हिंदी
केन्द्रीय विद्यालय [illegible]

Scanned with CamSc

कविता

गिरना भी अच्छा है,
औकात का पता चलता है...
बढ़ते हैं जब हाथ उठाने को...
अपनों का पता चलता है!

जिन्हें गुस्सा आता है
वो लोग सच्चे होते हैं,
मैंने झूठों को अक्सर
मुस्कुराते हुए देखा है......!!!

सीख रहा हूँ अब मैं भी इंसानों को पढ़ने का
हुनर,
सुना है चेहरे पे किताबों से ज्यादा लिखा
होता है।

— कृपाल सिंह
(7 [illegible])

Scanned with CamSc

Topic: बचपन Date: 26/08/24 Page No. 01

* एक बचपन का जमाना था,

जिसमें खुशियों का खजाना था......

* चाहत चाँद को पाने की थी,

पर दिल तितली का दीवाना था......

* ना खबर थी सुबह की,

ना शाम का कोई ठिकाना था......

* थक कर आना स्कूल से,

पर खेलने भी जाना था......

* माँ की कहानियाँ थी,

परियों का फसाना था......

* बारिश में कागज की थी नाव,

हर मौसम सुहाना था......

* क्यों हो गए हम इतने बड़े,

इससे अच्छा तो वो बचपन का जमाना था......

(कंचन रानी, संगीत शिक्षिका)

Scanned with CamSc

गुरु और चेला

गुरु एक थे और एक था चेला,
चले घूमने पास में था न धेला।
चले चलते - चलते मिली एक नगरी,
चमाचम थी सड़कें चमाचम थी डगरी।
मिली एक ग्वालिन धरे शीश गगरी,
गुरु ने कहा तेज ग्वालिन न भागो,
बता कौन नगरी, बता कौन राजा,
कि जिसके सुयश का यहाँ बजता बाजा।
कहा बढ़के ग्वालिन ने महाराज पंडित,
पधारे भले हो यहाँ आज पंडित,
यह अंधेर नगरी है अनबूझ राजा,
टके सेर भाजी, टके सेर खाजा।
गुरु ने कहा - जान देना नहीं है,
मुसीबत मुझे मोल लेना नहीं है,
न जाने की अंधेर हो कौन छन में?
यहाँ ठीक रहना समझता न मन में।
गुरु ने कहा किन्तु चेला न माना,
गुरु को विवश हो पड़ा लौट जाना।
गुरु जी गए, रह गया किन्तु चेला,
यही सोचता हूँगा मोटा अकेला।
चला हाट को देखने आज चेला,
तो देखा वहाँ पर अजब रेल पेला।
टके सेर हल्दी, टके सेर जीरा,
टके सेर ककड़ी टके सेर खीरा।

सुंदर लेख

आपके कर्म ही आपकी
पहचान हैं
वरना एक नाम के तो
हजारों इंसान हैं!

Scanned with CamS
Scanned with CamSc

Scanned with CamSc

Class 7
Roll no-13
Subject-essay
"अनेकता में
एकता,
यही भारत की
विशेषता."
Run for Unity

सरदार वल्लभभाई पटेल पर निबंध

सरदार वल्लभभाई पटेल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेता और एकीकरण के महान सिपाही थे। उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के साथ भारतीय समृद्धि और एकता के लिए कठिन प्रयास किए। उन्हें "लौह पुरुष" कहा जाता है क्योंकि उन्होंने 562 रियासतों को एक साथ जोड़कर भारतीय संघ को बनाया। सरदार पटेल की सबसे आदरणीय का महत्वपूर्ण योगदान भारतीय समृद्धि और सामाजिक एकता के क्षेत्र में था। उन्होंने भारतीय सामाजिक और आर्थिक नागरिकता को बढ़ावा दिया और लोगों के बीच भाईचारे और समरसता की विविधता को समाप्त किया। वह एक शक्तिशाली नेता थे जिन्होंने गांधीजी के मार्गदर्शन में स्वतंत्रता संग्राम को सफलता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सरदार पटेल की मृत्यु ने एक महान नेता की कमी की और उनके योगदान को सदैव याद रखने की आवश्यकता को स्थायी बना दिया। वे भारतीय इतिहास के अद्भुत और महान व्यक्तित्व थे, जिन्होंने देश को एक साथ लाने के लिए अपना सर्वस्व अर्पित किया। उनकी महानता और सेवाभाव को हमें हमेशा प्रेरित करता रहना चाहिए।

अंत

कविता

काम करो कि एक पहचान बन जाए,
चलो ऐसा कि हर कदम निशान बन जाए।
जिंदगी तो हर कोई काट लेता है,
जिंदगी जिओ इस कदर कि मिसाल बन जाए।

नमस्कार! मैं चाविला कक्षा सातवीं की छात्रा आपके समक्ष प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत करना चाहूँगी।

कुछ करना है तो डटकर चल,
थोड़ा दुनिया से हटकर चल,

जारी है-

लीक पर तो सब चल लेते हैं,
कभी इतिहास पलटकर चल।
बिना काम के मुकाम कैसा?
बिना मेहनत के दाम कैसा?
जब तक ना हासिल हो मंजिल,
तो राह में आराम कैसा?
अर्जुन सा निशाना रख,
मन में ना कोई बहाना रख,
लक्ष्य सामने है बस उसी पे ठिकाना रख।
मिलेगा तेरी मेहनत का फल,
किसी और का ना इंतजार कर।
जो चले थे अकेले,
उनके पीछे आज मेले हैं,
जो करते रहे इंतजार,
उनकी जिंदगी में अभी भी झमेले हैं।।

पिता का नाम :- श्री विकास यादव धन्यवाद!
पायल
7वीं

Scanned with CamSc

Topic ______ Date ______

एक-एक

एक-एक यदि पेड़ लगाओ,
तो तुम बाग लगा दोगे।
एक-एक यदि ईंट जोड़ो,
तो तुम महल बना दोगे।
एक-एक यदि पैसा जोड़ो,
तो बन जाओगे धनवान।
एक-एक यदि अक्षर पढ़ लो,
तो बन जाओगे विद्वान।

Aafia Tabbasum
A.A
Class 3rd

Scanned with CamSc

Topic: प्यारी माँ Date: 23/11/...

प्यारी जग से न्यारी माँ,
खुशियाँ देती सारी माँ।

चलना सीखी जिसकी उँगली से,
बोलना सीखी जिसकी बोली से।

स्नेह की झोली है माँ,
दुनिया की अनमोल है माँ।
अपना सब कुछ दिलाती है माँ,
प्यारी जग से न्यारी माँ,
खुशियाँ देती सारी माँ।

आँखों आँखों में प्यार देती है,
दर्द में भी मुस्कुराती है।

धन्यवाद...

आज़ादी

पक्षी है कैद अगर,
तो उड़ने में कर मदद तू।
रात है काली अगर,
दिया जला कर रौशन कर तू।
बीत गए वह भारत रूढ़िवादी विचारों से आज़ाद कर,
हौसला मन में भर तू।
औरतें, आदमी या हो कोई बच्चा,
सबके शिक्षा का कर सम्मान तू।
तोड़ दे दीवारें सारी,
अभी बहुत फिजाएं राह पर।
अब सीखों ने क्या पाया,
अगर तू अब भी डर से खोया।
उठ जा तू, छू ले आसमान,
आज़ादी पे है सबका हक।

नाम - सिद्धांत ठाकुर
कक्षा - सातवीं
रोल नं - 02
Adm No - 9725

Topic: [illegible] Date: [illegible]

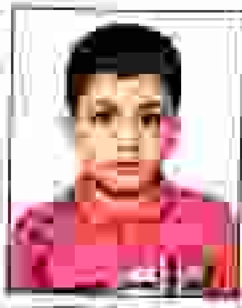

कविता

तू अपनी खूबियाँ ढूँढ
कमियाँ निकालने के लिए लोग हैं ना
अगर रखना है कदम
तो आगे रख पीछे खींचने के लिए लोग हैं ना
सपने देखने हैं तो ऊँचे देख
नीचा दिखाने के लिए लोग हैं ना
तू अपने अंदर की चिंगारी जला
जलने के लिए लोग हैं ना
प्यार करना है तो खुद से कर
नफरत करने के लिए लोग हैं ना
तू अपनी अलग पहचान बना
भीड़ में चलने के लिए लोग हैं ना
तू कुछ करके दिखा
तालियाँ बजाने के [illegible]

Topic ______ Date ______

पढ़ लिखकर हमको

चलो साथियों स्कूल चलो,

अंधकार दूर भगाना है।

पढ़ लिखकर एक वीर बनो

भारत माँ का मान बढ़ाना है।

चोर और डाकू को हमें

लोगों से दूर भगाना है.

पढ़-लिखकर हमको

आसमान में तिरंगा लहराना है

मिटाकर अशिक्षा का अंधकार

शिक्षा का अलख जगाना है

पढ़ लिखकर हम को

धरती पर स्वर्ग बसाना है।

Name: Gourav Das Roll no-23 class [illegible]

= विद्यार्थी की फोटो।

शिक्षा

शिक्षा में ही प्रगति है,
हमारे देश की यह शक्ति है।
शिक्षा से ऊपर न कोई स्थान
कभी न करना इसका अपमान।
शिक्षा बनेगी हमारी पहचान
शिक्षा का है बहुत महत्व।
इससे बनता हमारा व्यक्तित्व
शिक्षा को अपना लक्ष्य बनाओ।
शिक्षा है बहुत जरूरी
ना रखना कभी इससे दूरी।
शिक्षा से हमें मिलता है ज्ञान
इससे हमारा देश बनेगा महान।

नाम - मदीहा मंजूर
कक्षा - पाँचवी
रोल नं. - 09
ADM No. - 944

Scanned with CamSc

[illegible] परिंदा

कौन चिड़िया बोले चूँ-चूँ
कौन कबूतर गुटर-गूँ
कौन मोर पीहू-पीहू
कौन [illegible]
कौन कौआ बोले काँव-काँव
कौन कोयल बोले कुहू-कुहू
कौन मैना [illegible]
नन्हा पंछी हूँ मैं हूँ।

नाम → दक्षिता कंगोतरा
कक्षा - छठवीं

Scanned with CamSc

बहुत याद आते हैं।
दादी की कहानी और
दादा का प्यार।
उनकी गोद में है
सुख का संसार।
दादा-दादी हमारे पास
आ जाओ ना।
पापा-मम्मी को
थोड़ा डाँट जाओ ना।

अरमान दहिया
कक्षा - पहली

Scanned with CamScanner

चंदा मामा दूर के

चंदा मामा दूर के
पुए पकाएँ बूर के
आप खाएँ थाली में,
मुन्नो को दें प्याली में
प्याली गई टूट

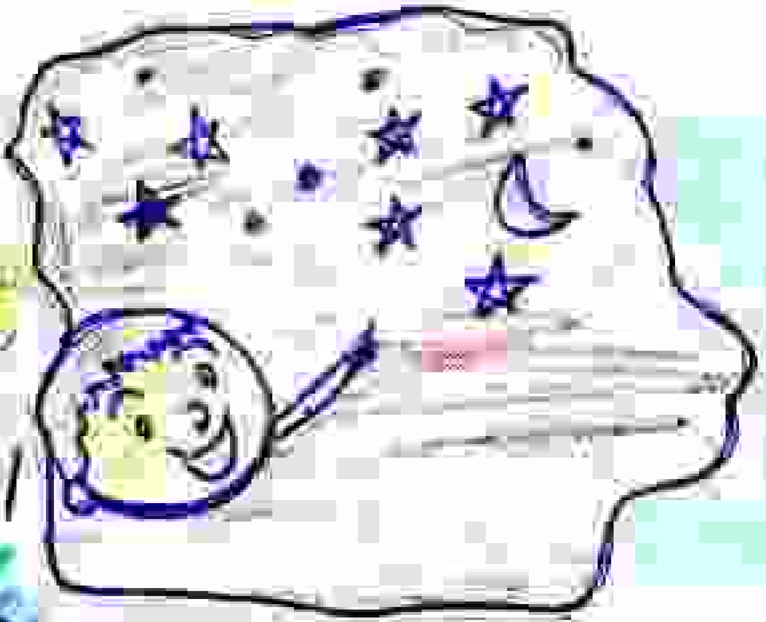

[illegible]
लाएँ नई प्यालियाँ
बजा-बजा के तालियाँ
मुन्नी को मनाएँगे
हम दूध-मलाई खाएँगे।

नाम > [illegible] [illegible]
कक्षा > पहली

Scanned with CamSc

हिन्दी पत्रिका

आम लो

आम लो भई
आम लो, मीठे-मीठे
आम लो। पीले-पीले
मीठे आम, हरे-हरे
खट्टे आम।

नाम -> स्नेहा
कक्षा -> छठी

Scanned with CamSc

Topic ______ Date ______

विद्यालय पत्रिका

नाम = अंशुल
कक्षा = 4th

नाम:
कक्षा:

समय पर कविता

समय का सब से कहना है,
लेकिन चलते रहना है,
इसको

मेहनत करो, सदा काम,
को खूब करो
समय पे सोना

समय पर जागना, समय पे खाना
समय पर खेलना, फिर क्यों कल आज
का काम टालना।

धन्यवाद

कविता मेरे पापा

मेरे प्यारे पापा मैं बताया तुझे आओ मेरे और
उनके बीच कैसे प्यार है भाई जब मैं छोटी
हूँ तो पापा मुझे गोद में खिलाते हैं अभी भी वह
मुझे अपने हाथ से ही खाना खिलाते हैं रात में जब
डर जाती हूँ तो पापा की बाहों में छुप जाती हूँ
फिर आराम से मैं पापा के पास सो जाती हूँ पापा
मुझे बुलाते हैं छोटी सी गुड़िया लेकिन वह नहीं
जानते कि वही हैं मेरी सारी दुनिया।

NAME: Humat
CLASS: 4th
Photo :

★ विद्यालय पत्रिका

विषय - हिन्दी

पुष्पमाला

जिंदगी

(कविता)

★ कोमल द्वारा लिखी गई ★

{ ऐसी है यह हसीन जिंदगी की,
खुशियाँ न मिले ऐसी फिर कभी। }

{ इतने सारे पल है इसमें की,
गिन न पाए कोई कल की इसको। }

{ ऐसी है यह हसीन जिंदगी की........ }

{ कभी गिरते है कभी चढ़ते है,
पर बिना रुके हम बढ़ते है। }

{ ऐसी है यह हसीन जिंदगी की,
खुशियाँ न मिले ऐसी फिर कभी। }

{ कभी सुख आता है कभी दुख आता है,
लेकिन इसको रोकना हमें नही आता है। }

{ ऐसी है यह हसीन जिंदगी की,
खुशियाँ न मिले ऐसी फिर कभी। }

धन्यवाद !

नाम - कोमल पँवार
कक्षा - आठवीं 'अ'
अनु. क्र. - 23

Scanned with CamScanner

TOPIC _______________ DATE _______ हे - ५

विद्यालय पत्रिका

नायक की कहानी

एक छोटे से गाँव में एक लड़का रहता था। उसका नाम रोहन था। रोहन बहुत ही मेहनती और ईमानदार था। वह हमेशा अपने गाँव के लोगों की मदद करने के लिए तैयार रहता था।

एक दिन गाँव में एक बड़ा तूफान आया जिसने बहुत सारे घरों को नष्ट कर दिया। गाँव के लोग बहुत परेशान हो गए। रोहन ने तुरंत अपने दोस्तों के साथ मिलकर गाँव के लोगों की मदद करनी शुरू कर दी।

उन्होंने घरों को बनाने के लिए ईंटें और लकड़ी इकट्ठा की। उन्होंने गाँव के लोगों को खाना और पानी भी बांटा। रोहन की मेहनत और ईमानदारी ने गाँव के लोगों का दिल जीत लिया। गाँव के लोगों ने रोहन को एक नायक के रूप में सम्मानित किया। रोहन ने साबित किया कि एक छोटा सा काम भी बड़ा परिवर्तन ला सकता है।

नाम:- अक्षत राजपूत

कक्षा - छठी, 6th

ADM-1274

हि. ५

Topic: [illegible] नीतिक Date: 14

शेर और चूहा

किसी जंगल में एक शेर रहता था। एक बार वह सो रहा था। तभी अचानक एक चूहा शेर के पास आया। वह शेर के शरीर पर दौड़ने लगा।

इससे शेर की नींद टूटी। उसे चूहे पर गुस्सा आया। उसने चूहे को पकड़ा। चूहा शेर से कहने लगा, मुझे छोड़ दो। मैं भी कभी तुम्हारी मदद करूंगा।

Adigyan singh

स्वच्छता

स्वच्छता हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। साफ - सफाई केवल अपने घर में ही नहीं बल्कि बाहर भी साफ-सफाई करनी चाहिए, जहाँ तक आपकी पहुँच हो। हमें अपने घर को, विद्यालय को, मोहल्ले को साफ रखना चाहिए। साफ - सफाई न रखने की वजह से हमें कई सारी बीमारियाँ होती हैं, इसलिए हमें साफ - सफाई रखनी चाहिए। जैसे शहरों को साफ - सुथरा रखने के लिए कचरे वाली गाड़ी आती है और इसमें स्वच्छता से संबंधित एक गाना भी चलाते हैं, " स्वच्छ भारत का इरादा, इरादा कर लिया हमने देश से अपने वादा, यह वादा कर लिया हमने..."। स्वच्छता ही सेवा है।

नाम : [illegible]
कक्षा : आठवीं
सेक्शन : [illegible]
[illegible]

Scanned with CamScanner

Topic निबंध Date 21 - 06 - 2024

त्यौहारों का देश

"भारत"

प्रस्तावना → भारत त्यौहारों का देश है, यहाँ अनेक मनाये जाते हैं। सभी त्यौहारों को मनाने की खास विधि और परम्परा है। मकर संक्रांति, होली, दिवाली, ईद, नवरात्रि, दुर्गा पूजा और क्रिसमस भारत के कुछ प्रमुख त्यौहार हैं। भारत के ऐसा राष्ट्रीय त्यौहार जैसे गाँधी जयंती, स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस का भी बहुत सम्मान करते हैं। धार्मिक, राष्ट्रीय त्यौहार हम दोनों ही धूम धाम से मनाते हैं। आइये इन त्यौहारों के विस्तार से जाने -

महा शिवरात्रि → यह हिंदू धर्म के प्रमुख त्यौहारों में से एक है।

Maha Shivratri

इस दिन शिव जी की पूजा की जाती है। पुरानी कहानियों के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन ही पूरे विश्व का निर्माण हुआ था। कई जगह में भगवान शिव का इस दिन जल से दुग्ध अभिषेक किया जाता है तथा कई जगहों पर दूध के [illegible] भी अभिषेक किया जाता है। महाशिवरात्रि भक्त उपवास रखते हैं। इस त्यौहार को लोग धूमधाम से मनाते हैं।

Arnav Creations
Colours & Shapes
Scanned with CamSc

Topic ______ Date ______

"राष्ट्रीय एकता दिवस"

★ प्रस्तावना

भारत ने सदैव ही देश और दुनिया को **"वसुधैव कुटुम्बकम"** का मंत्र दिया है। हमारे हजारों साल पुराने शास्त्रों तथा पुराणों में भी "वसुधैव कुटुम्बकम" के महत्व को बताया गया है जिसका अर्थ है **"विश्व एक परिवार है"**। भारत में राष्ट्रीय एकता की भावना को व्यवहार में लाने के लिए 31 अक्टूबर को **"राष्ट्रीय एकता दिवस"** मनाया जाता है। इस दिन हमारे देश के महान व्यक्ति सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म हुआ था।

★ राष्ट्रीय एकता दिवस का महत्व

राष्ट्रीय एकता दिवस का महत्व भारतीय समाज के लिए अत्यधिक है। इस दिन का महत्व यह है कि यह हमें हमारी एकता और विविधता का महत्व समझाता है। भारत एक बड़ा देश है और यहाँ अनेक जातियाँ, धर्म, भाषाएँ और संस्कृतियाँ हैं। राष्ट्रीय एकता दिवस हमें यह याद दिलाता है कि हम सभी एक हैं और हमें मिलकर अपने देश की एकता और अखंडता में योगदान करना है।

Colour & Shapes

नाम - वंश सिंह

कक्षा - 7वीं

विषय - राष्ट्रीय एकता दिवस

राष्ट्रीय एकता निबंध

6-2-25

राष्ट्रीय एकता का अर्थ है पूरे राष्ट्र का एकजुट होकर एकता के सूत्र में बंधना। यह किसी भी देश के विकास, उन्नति और शांति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। एकता का अर्थ है विभिन्न जातियों, धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों के लोगों का एक राष्ट्र के रूप में एकजुट होना। भारत जैसे देश में, जहाँ अनेकता में एकता की विशेषता है, राष्ट्र की एकता और अखंडता को बनाए रखना और भी आवश्यक हो जाता है। [illegible]

[illegible] में अनेकता [illegible] और [illegible] होने के [illegible] की पहचान [illegible] से विविधता [illegible] की एकता की भावना को कभी कमजोर होने [illegible]

[illegible]

Scanned with CamSc

और हर नागरिक को समान अधिकार, स्वतंत्रता और अवसर प्रदान करते हैं।

राष्ट्र एकता को बनाए रखने में शिक्षा, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, और आपसी समझ का बहुत महत्व है। शिक्षा हमें अपने देश की संस्कृति, इतिहास और गौरव को समझने और आदर करने का अवसर देती है। सांस्कृतिक उत्सव और कार्यक्रम जैसे दिवाली, ईद, क्रिसमस, आदि सभी को एकसाथ मनाने का मौका देते हैं, जिनमें हम एक-दूसरे के धर्मों और मान्यताओं का सम्मान करना सीखते हैं।

राष्ट्र एकता को कई बार आतंकवाद, साम्प्रदायिकता और जातीय भेदभाव से खतरा होता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamSc

अगर हम। सब लोग एक हो जाए तो हम कुछ भी काम बड़ी आसानी से कुछ भी कर सकते है। चाहे वह कितना भी बड़ा काम ही क्यो ना हो हम अपने देश में अभी भी एक है। एक होने का मतलब यह नही है कि हम सब कानूनो का पालन करना छोड़ दे। एकता के साथ ही साथ हमें कानूनो का पालन अच्छी तरह से करना चाहिए।

Scanned with CamSc

कश्मीर : भारत का स्वर्ग और विकास की नई राह

भूमिका : कश्मीर को धरती का स्वर्ग कहा जाता है, और यह उपमा इस क्षेत्र की प्राकृतिक सुन्दरता, सांस्कृतिक विविधता और ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए पूरी तरह सार्थक लगती है। बर्फ से ढके पहाड़, हरी-भरी घाटियाँ, झीलें और फूलों से भरे बाग-बगीचे कश्मीर को अनूठा बनाते हैं। आज, कश्मीर अपने आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यटन क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है, जिससे यह क्षेत्र भी विकास की नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ रहा है।

प्रमुख पर्यटन स्थल : कश्मीर की सबसे बड़ी विशेषता इसकी अद्वितीय प्राकृतिक सुंदरता है। यहां की घाटियाँ, झीलें और पहाड़ों की गोद में बसे गांव इसे दुनिया के सबसे खूबसूरत स्थानों में से एक बनाते हैं।

श्रीनगर डल झील, निशात बाग, हजरतबल दरगाह। वैष्णो देवी और अमरनाथ यात्रा धार्मिक आस्था से जुड़े ये स्थान लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं।

प्रमुख शैक्षणिक संस्थान : हाल के वर्षों में कश्मीर में शिक्षा और तकनीकी विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। सरकार ने यहाँ उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थान खोले हैं।

- कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर एनआईटी (NIT), शेर-ए-कश्मीर कृषि विश्वविद्यालय और विभिन्न आईआईटी और मेडिकल कॉलेज।

कृषि और बागवानी : कश्मीर की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि, बागवानी, हस्तशिल्प और पर्यटन पर निर्भर है। यहाँ के सेब, अखरोट, बादाम और केसर

पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। कश्मीर भारत में सेब उत्पादन में अग्रणी है। यहाँ का केसर दुनिया के सबसे बेहतरीन केसरों में गिना जाता है। कश्मीर का कालीन उद्योग, पश्मीना शॉल, पेपर माचे शिल्प और लकड़ी की नक्काशी भारतीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में बहुत लोकप्रिय है।

भाषा और साहित्य: कश्मीरी, उर्दू, डोगरी, हिन्दी और अंग्रेजी भी यहाँ प्रमुख भाषाएँ हैं। प्रसिद्ध कवि और संत जैसे ललद्यद और हब्बा खातून ने यहाँ की साहित्यिक परंपरा को समृद्ध किया है।

संगीत और नृत्य: कश्मीरी सूफी संगीत बहुत प्रसिद्ध है। यहाँ का "रौफ" नृत्य पारंपरिक आयोजनों का अभिन्न अंग है।

खानपान: कश्मीर का खानपान मुख्यतः मांसाहार पर आधारित है, जिसमें रोगन जोश, यखनी, दम आलू और गुश्ताबा प्रमुख हैं। और कहवा (केसर व मेवों से बनी चाय), नमकीन चाय भी काफी प्रसिद्ध है।

पारंपरिक पहनावा: कश्मीर का पारंपरिक पहनावा फिरन है, जिसे पुरुष और महिलाएँ दोनों पहनते हैं। महिलाएँ शॉल, ज़ेवर और कढ़ाईदार कपड़े पहनती हैं, जबकि पुरुष कराकुल टोपी भी पहनते हैं।

निष्कर्ष: कश्मीर न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व के लिए एक अनमोल धरोहर है। इसकी प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध संस्कृति और विविधता इसे एक अद्वितीय स्थान प्रदान करती है। कश्मीर का इतिहास, कला, संगीत, खानपान और पहनावा इसे अन्य क्षेत्रों से अलग और विशेष बनाते हैं। हाल के सालों में सरकार और स्थानीय प्रशासन के प्रयासों से यहाँ शांति और विकास की नई लहर देखने को मिल रही है।

नाम: दीपाल आशय   कक्षा: नौवीं   अनुक्रमांक: सात

पंजाबी संस्कृति

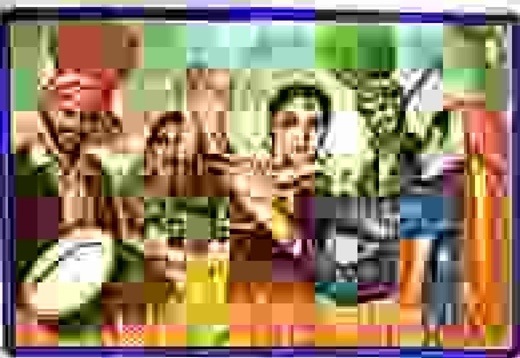

पंजाबी संस्कृति पंजाब मैं रहने वाले लोगों की संस्कृति है। यह संस्कृति, भोजन, भाषा, कला, संगीत, परम्पराओं और इतिहास से जुड़ी हुई है। पंजाबियों में मुख्य रूप से दो समुदाय हैं: सिक्ख और जाट। वे लोग समय से खेती बाड़ी से जुड़े रहे हैं। लेकिन अब राज्य में व्यापार और वाणिज्य भी खुल गया है। एक बड़ी आबादी आज भी संयुक्त परिवार का पालन करती है और अब आधुनिक बन गई है। यहाँ एकजुटता की भावना को आसानी से महसूस किया जा सकता है।

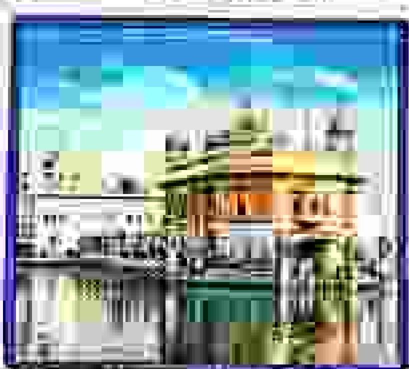

पंजाब में कई धर्म हैं। लेकिन भारतीय राज्य पंजाब में सबसे ज्यादा आबादी हिंदू और सिखों की है। हिंदुओं में सभी सबसे प्रमुख हैं। सिख धर्म की उत्पत्ति के कारण राज्य में सिखों की आबादी विशेष रूप से अधिक है। पंजाब में कई सिख धार्मिक केंद्र हैं। अमृतसर में सबसे प्रसिद्ध स्वर्ण मंदिर है जहाँ दुनिया भर से लोग आ

राज्य की आधिकारिक भाषा

पंजाबी है, जो संचार के लिए इस्तेमाल होने वाली क्षेत्रीय भाषा भी है। अलग-अलग क्षेत्रों में अलग बोलियाँ इस्तेमाल होती हैं जैसे की माझी,

दोआबी, मालवई। पंजाबी भाषा की लिपि भारत में गुरमुखी और पाकिस्तान में शाहमुखी है। पंजाबी लोकप्रिय नृत्य में से एक गिद्धा है जो महिलाओं द्वारा प्रस्तुत किया जाता है। ये नृत्य मुख्य रूप से बैसाखी के त्यौहार पर किए जाते हैं।

एक और लोकप्रिय नृत्य भांगड़ा जो पंजाब में ही नहीं बल्कि अन्य राज्य में भी लोकप्रिय हो गया है। यह नृत्य शैली कई साल पहले शुरू हुई थी जब पंजाबी किसान

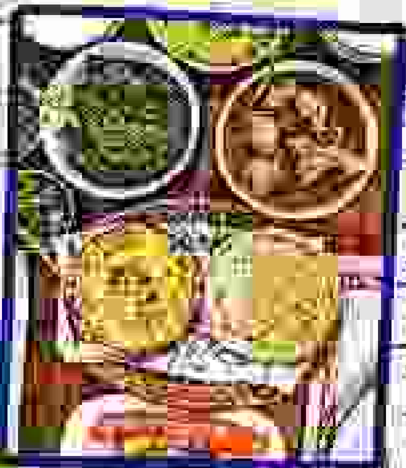

फसल के मौसम का स्वागत करते थे। भारतीयों और अन्य समुदायों के पसंदीदा व्यंजनों में से एक पंजाबी भोजन भी के स्वाद और मसालों से भरपूर रोटियों पर भरपूर घी के साथ खाना परोसा जाता है। मक्की की रोटी और सरसों का साग पंजाब का पारंपरिक व्यंजन है। छोले भटूरे, राजमा चावल और पनीर नान जैसे कई अन्य व्यंजन है।

Scanned with CamSc

Topic ____________ Date ________

ग्रह परेड

Name :- Himanshi
class :- 9th

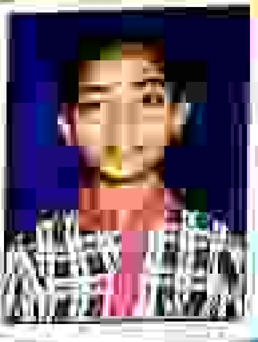

ग्रह परेड क्या है?

ग्रहों की परेड तब होती है जब चार या उससे ज्यादा ग्रह आसमान में एक साथ दिखाई देते हैं। हालांकि वे पूरी तरह से संरेखित नहीं होते लेकिन वे सूर्य के एक ही तरफ होते, जिससे एक शानदार नजारा बनता।

2025 की शुरुआत में आकाश प्रेमियों को नजारा देखने को मिलेगा: एक दुर्लभ ग्रह परेड। यह आश्चर्यजनक घटना तब होगी जब हमारे सौर मंडल के छह ग्रह आसमान में एक साथ दिखाई देंगे। [illegible] उसके बाद लगभग चार [illegible] ग्रह जैसे शुक्र, मंगल, बृहस्पति, शनि, नेपच्यून और यूरेनस दिखाई देंगे। जबकि शुक्र, मंगल, बृहस्पति और शनि को नंगी आँखों से देखा जा सकता है। आपको नेपच्यून और यूरेनस को पकड़ने के लिए एक दूरबीन की आवश्यकता होगी। यदि आप फरवरी के अंत में सभी सात ग्रहों को देखने की योजना बना रहे हैं तो, आँखों की सुरक्षा के लिए सूर्य-सुरक्षात्मक लेंस खरीदें, क्योंकि बुध ग्रह सूर्य के करीब दिखाई देगा।

Topic ______ Date ______

पृथ्वी की अंतरिक्ष एजेंसी NASA के मुताबिक खगोलविदों के लिए यह जीवन में एक बार घटित होने वाला मौका है। NASA का कहना है कि इस तरह कई ग्रहों का दिखना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन इस तरह की रचना हर साल नहीं होती। इस तरह की रचना को कई बार ग्रहों का 'ओलंपिक्स' होना भी कहा जाता है।

छोटे टेलिस्कोप्स [illegible] (Zoom) [illegible] हाथ ही से [illegible] ग्रहों को एक [illegible] 2004 में [illegible] की पाँच ग्रह बुध, शुक्र, मंगल, बृहस्पति एवं शनि।

पैरेलेक्स प्रभाव से आसमान में [illegible] एक सीध में आस-पास नहीं होते, बल्कि सूरज के चारों तरफ अलग-अलग [illegible] दूरी पर परिक्रमा करते हैं। जब ये अपनी कक्षा में एक खास बिंदु आ जाते हैं तो इस समवाय जब धरती से इन्हें देखा जाता है तो ऐसा लगता है कि ये एक ही लाइन में हैं। यह नज़ारा और भी एक अद्भुत खगोलीय घटना थी। जब लोग शुक्र और चंद्रमा के आसमान देखा तो यह सीधे दिख एक अद्भुत नज़ारा था।

धन्यवाद

कर भला तो हो भला

एक गाँव में एक राजा रहता था जिसका नाम था शुद्धोधन। वो दिन-रात अपनी प्रजा की सेवा में लगा रहता था। वह सबकी मदद करता था। किसी के साथ भेदभाव नहीं करता था। उसके इसी स्वभाव के कारण वह आसपास के गाँवों में भी लोकप्रिय था। शत्रु राजा भी शुद्धोधन की इसी दानी और मिलनसार स्वभाव के गुणगान गाते थे।

उन राजाओं में एक राजा था राजा भागीरथ जो राजा शुद्धोधन को हराने की रणनीति बनाई और उनके राज्य पर हमला कर दिया। छल कपट से युद्ध जीतकर भागीरथ ने राजा शुद्धोधन का सारा राज्य हड़प लिया जिससे उनको जंगल में जाकर रहना पड़ा। जंगल जाकर भी उनकी लोकप्रियता कम नहीं हुई, सब तरफ उनकी ही चर्चा हो रही थी। जिससे भागीरथ और भी गुस्सा हो गया और राजा को मृत्युदंड की सजा सुनाई और राजा को पकड़कर लाने वाले को इनाम देने का ऐलान किया।

एक दिन राजा शुद्धोधन को जंगल में एक आदमी मिला और उसने पूछा, "क्या तुम इसी जंगल में रहते हो?" मुझे राजा शुद्धोधन के पास ले जाओगे। "सुना है वो सबकी मदद करते हैं। मेरे बेटे की तबियत खराब है और मुझे पैसों की जरूरत है इसलिए उनके पास जा रहा हूँ।"

Scanned with CamSc

यह सुनकर राजा उस आदमी को भागीरथ के दरबार लेके जाता है और कहता है, "महाराज आपने मुझे खोजने वाले को इनाम देने का वादा किया है। मेरे इस मित्र ने मुझे ढूंढा है। कृपया इनाम इसे देदें।"

इस बात को सुनकर राजा भागीरथ को अपनी गलती का एहसास होता है। वह राजा से माफी माँगकर उनका राज्य उन्हें लौटा देता है। हमेशा अच्छाई के रास्ते पर चलने की शपथ लेता है।

शिक्षा:- "अगर तुम दूसरों के साथ अच्छा करोगे तो तुम्हारा भला होगा। जब तुम दूसरो की मदद करोगे और सम्मान दोगे तो तुम्हारा भी सम्मान बढ़ेगा। इसलिए हमेशा दूसरों की सहायता करो और उनका सम्मान रखो।"

नाम :- श्रेया कुमारी
कक्षा :- नवीं (नौ)
परीक्षा संख्या :- 978

Scanned with CamSc

अनेकता में एकता

हमारा देश भारत विश्व में सर्वश्रेष्ठ है। अनेकता में एकता ही इसकी सबसे बड़ी पहचान है जो इसे विश्व के अन्य देशों से अलग बनाती है क्योंकि भारत देश में भारत की तरह अलग-अलग भाषा और धर्म को मानने वाले लोग सद्भावपूर्वक एक साथ रहते हैं। जातिवाद और अलगाव भी नहीं रहते हैं। इसलिए भारतीय संस्कृति का विस्तार विश्व भर में हो जाती है। यहाँ अलग-अलग धर्मों के रहने वाले लोगों के त्योहार, रीति-रिवाज, पहनावा, बोली आदि में काफी विभिन्नता होने के बावजूद भी सभी भारत के लोग अपने-अपने तरीके से रहते हैं और अपनी परंपरा और रीति-रिवाजों के साथ अपने त्योहार मनाते हैं। भारत एक ऐसा देश है, जहाँ दिवाली और ईद में जितनी खुशियाँ रहती हैं, उतनी ही क्रिसमस और बुद्ध पर्व में भी देखने को मिलती है। वैसे ही सभी धर्मों के अपने-अपने सिद्धांत हैं, लेकिन यहाँ रहने वाले सभी धर्म के लोगों का सिर्फ एक ही लक्ष्य भगवान की प्राप्ति है। भारत में "अनेकता में एकता" इसकी मूल पहचान है और यह धार्मिकता, संस्कृति और परंपरा को सबसे अलग एवं अनोखा बनाने में मदद करती है। हमारा देश भारत अनेकता में एकता की मिसाल है क्योंकि भारत ही एक ऐसा देश है जो इस अवधारणा को वैज्ञानिक तरीके से साबित करता है। इसी मायने में अनेकता में एकता ही भारत की ताकत, शक्ति और मजबूती है, जो भारत को विकास के पथ पर आगे बढ़ाती है और इसकी एक अलग पहचान बनाती है। भारत में अलग-अलग भाग हैं, जिसमें रहने वाले सभी लोगों की भाषा, जाति, धर्म, परंपरा, पहनावा आदि में काफी अंतर है जो कि (बंगाली, राजस्थानी, मारवाड़ी, पंजाबी, तमिलियन, महाराष्ट्रियन) आदि के रूप में जाने जाते हैं, जो उनके आप की स्थानीय कहते हैं और यही भारत में अनेकता में एकता को दर्शाता है।

Date

स्कूल में फिल्म देखने का अनुभव

एक दिन हमारे विद्यालय में बच्चों [illegible] [illegible] गई थी। किसी कारण से कुछ बच्चे आये थे क्योंकि जो हमारे विद्यालय के बच्चे नहीं जो तभी उन्हें स्कूल में एक फिल्म दिखाई चार साहिबजादे इसमें यह था कि : फिल्म की शुरुआत मुगल साम्राज्य द्वारा भारत पर आक्रमण से होती है। गुरु तेग बहादुर जी (सिखों के नौवें गुरु) ने कश्मीरी पंडितों के अधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। इसके बाद, गुरु गोविंद सिंह जी ने रक्षा के लिए सिद्धांत के रूप में हिम्मत के साथ आक्रमणकारी ताकतों का मुकाबला करने के लिए खालसा की स्थापना की। फिल्म में आनंदपुर की लड़ाई (1704) को दिखाया जाता है, जिसमें गुरु गोविंद सिंह ने मुगल सेनापति पाइंदा खान को मार डाला था। फिल्म में चमकौर की लड़ाई को भी दिखाया जाता है जो दिसंबर, 1704 ई० में हुई थी। जिसमें बहादुर सिखों (गुरु गोविंद सिंह जी) के जंगल में ने बलिदान [illegible]

Date

की कमान के तहत एक लाख मुग़ल सेना के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी।
चमकौर की लड़ाई में गुरु गोबिंद सिंह जी के दोनों बड़े बेटे साहिबजादा अजीत सिंह और साहिबजादा जुझार सिंह युद्ध में मारे गए थे। मुग़लों की संख्या बहुत अधिक थी फिर भी वे अंतिम गुरु गोबिंद सिंह जी को पकड़ने में विफल रहे, जिसमें आखिर हार हुई।
गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे बेटे, साहिबजादा फतेह सिंह को और साहिबजादा जोरावर सिंह को वजीर खान के सैनिकों ने पकड़ा और सरहिंद के मुग़ल शासक ने उन्हें मार डाला।

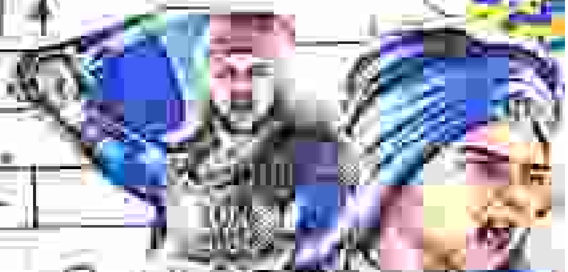

वजीर खान ने आदेश दिया कि युवा सिखों दोनों बेटों को शहर की दीवार के एक हिस्से में बंदी बना दें।

शिक्षा — यह कहानी हमें सीखाती है हम कुछ विश्वास, निडर साहस और परम बलिदान करना सीखते हैं।

धन्यवाद !

Name → Keshav
Class → 7th
Roll no. → 15
School → Kendriya Vidyalaya B.S.F. Hussainiwala

Scanned with CamSc

TOPIC: THE FUTURE OF EDUCATION

Essay - 41

DATE 03-05-24

THE FUTURE OF EDUCATION

Scanned with CamScanner

Eng - 02

DATE 03-5-24

TOPIC: The FUTURE OF EDUCATION

★ The world of education is changing rapidly, and it can be difficult to keep up with all the latest trends and developments. In this article, we will explore eight key predictions for the future of education. We will examine the rise of online learning, Personalized learning, and other trends that are likely to shape the education landscape in the years to come.

★ Prediction 1: ONLINE LEARNING WILL CONTINUE TO GROW :->

★ Online learning has been around for years, but it really took off during the COVID-19 Pandemic. Many schools and universities were forced to transition to online learning, and this trend is likely to continue in the future. In fact, a recent report by Research and Markets Predicts that the global online education market will grow by over 10% annually between 2021 and 2026.

★ There are many benefits to online learning, including increased accessibility and flexibility. Students can learn at their own Pace, an from anywhere in the world. Online learning is also often more affordable than traditional in-Person learning, making education more accessible to a wider range of students.

★ Prediction 2 :-> Personalized Learning Will Be the Norm :->

Scanned with CamScanner

TOPIC: **THE FUTURE OF EDUCATION**

Eng - 03

DATE 3-5-24

★ Personalized learning is a method that involves tailoring learning experiences to suit the needs and preferences of individual students. This approach is becoming increasingly popular, and it's predicted that it will become the norm in the future of education.

★ In traditional classroom settings, teachers often deliver lessons to a large group of students, with little opportunity for individual attention or customization. However, with the rise of technology and data analytics, personalized learning has become much more feasible.

★ The benefits of personalized learning are significant. Students can learn at their own pace, and in a way that is most comfortable and effective for them. This leads to greater engagement and retention, as well as higher levels of academic achievements.

★ **Prediction 3:-> Artificial Intelligence Will Revolutionize Education:->**

★ Artificial intelligence (AI) is already changing the face of education, and this trend is set to continue. AI can be used to automate administrative tasks, such as grading, which frees up teacher's time to focus on more meaningful work. It can also be used to create personalized learning experiences, by analyzing data on student performance and providing targeted feedback and recommendations.

Scanned with CamScanner

TOPIC The FUTURE of education

Eng.-04

DATE 3-5-24

★ The Prediction 4:-> Virtual and Augmented Reality Will Transform Education:->

★ Virtual and augmented reality (VR/AR) technology has already been used in many industries, including entertainment, sports and healthcare. However, it is now making its way into the world of education. VR/AR technology allows students to interact with digital objects and environments in a way that was previously impossible. It can create a completely immersive learning experience that engages multiple senses, making it easier for students to remember what they've learned.

★ Prediction 5:-> Learning Will Be Lifelong:->

★ In the past, education was typically something that was completed in the first two decades of life, with a few exceptions for continuing education programs. However, in the future, learning will be a lifelong pursuit.

★ This is partly due to the rapid pace of technological change, which means that workers will need to constantly update their skills to remain relevant in the job market. Additionally, as people live longer and retire later, they will have more time and opportunity to continue learning throughout their lives.

TOPIC The Future of education

DATE 3-5-24

★ Prediction 6 :-> The Role of Teachers will change :->

★ As technology becomes more prevalent in the classroom, the role of teachers will inevitably change. While teachers will always be essential to the learning Process, their roles will shift from being the primary source of information to being facilitators of learning.

★ Prediction 7 :-> Competency-Based education will Gain Traction :->

★ competency-based education is an approach to learning that focuses on mastering specific skills and knowledge rather than completing a certain amount of time in a class. This approach allows students to move at their own Pace and focus on areas where they need more support.

NAME => Shifat Ashraf.
CLASS => 9th.
ROLL. NO => 09.
HOUSE => Ambedkar House.
ADM. NO => 637.

Scanned with CamScanner

A Day in the life of a famous person

Bhimrao Ambedkar, also known as Baba Saheb Ambedkar was born on april 14, 1891, at Mhow in Madhya pradesh, India. He authored many scholarly treatises on economics and was the driving force behind establishment of the ideas, also laid the foundation for the setting up of India's Central Bank, the Reserve Bank of India. Baba Saheb Ambedkar use to study 18 hours a day and used to give other hours for sleeping (3 hours) and doing exercise, eating, bathing and other activities (3 hours). Also, he was a good student earning doctorates from both London University and Columbia University of London — — —

If I was at the place of Baba Saheb Ambedkar, I will make some laws that will be, don't marry at the age between 20-22, don't discriminate between boys and girls, don't drink while driving, sleep 8-9 hours in a day, children should be given free education, who are poor

Name - Yogita
Admission no. - [illegible]
Class - 8th
House - Ranjit Singh

Scanned with CamSc

Scanned with CamSc

MAHATMA GANDHI

Mahatma Gandhi is one of the greatest leaders that the history has ever produced. He was not only a great politician but also a great social and religious leader. He is father of the nation and people lovingly called him 'Bapu'. The full name of mahatma Gandhi was Mohandas Karamchand Gandhi was. He was born on 2 October, 1869 in Porbandar, Gujarat. His father Karamchand Gandhi was working as the chief minister (diwan) of Porbandar at that time. His mother putlibai was a very noble and religious lady. He was sent to School at the age of seven. At School he was not a bright student. But he was very honest and hard working. He was married to Kasturba at the age of thirteen. He passed the entrance examination at the age of seventeen. Then he went to england for higher education.

Mahatma Gandhi did law in england and returned to India as a barrister in 1891. He started practice at Rajkot and Bombay but failed.

Gandhi went to South Africa in 1893 in connection with a case. There he

was the miserable condition of the Indians and other black people.
In South Africa, He campaigned against the British for the violation of dark-coloured Asians and became successful.
Gandhiji returned to India in 1915 and joined the Indian National Congress.
Three mass movements launched by him made the people of India believe in unity. The Three movements were Non-Cooperation Movement, the Civil Disobedience Movement and the Quit India Movement.
The Quit India Movement was the greatest success with all the Indians protesting under the guidance of Mahatma Gandhi. This was the last movement against the British and they were forced to leave India. Thus, India achieved Independence.
Gandhiji's main principles were truth and non-violence. He was a man with simplicity and great ideologies. He never cared for difficulties of life. Gandhiji believed that all human beings are God's special people and must be treated equally irrespective of their caste, colour, language, creed, region, religion and ethnicity.

Thank YOU!

TOPIC DATE

The Future of Education

What is future of education? Why it is necessary for us?

→ The future of education refers to system of education in future. How it will run. What is the format. The future of education is very promising to our coming generation. As we know that system of education is developing day by day and it is improving itself by correcting and finding out the mistakes. As we know the previous year a government school

Vardhman

Scanned with CamSc

TOPIC DATE

known as Kendriya Vidyalaya Sangathan made a huge differnce by converting some Kendriya Vidyalaya Schools to PM shree School adding some smart device such as Smart TV, projector, etc to improve the quality and quantity of education. In future, the education system will be More advance and it is also predicted that the robot teachers will replace the human teachers. there will be E-books in the place of Original books. According to me the New Mode of Education will replace the traditional Mode of Education very soon. But they cannot replace the bond we are sharing with our teachers, the fun we

Vardhman

Eng - 13

TOPIC

DATE

THE Future Of Education-

What is the future of education. Is it necessary
As per today's perspect our education system will be change in future. The future of education is very promising to younger generation. All classes will be taken in single room. Online courses soon will prevail the traditional high school and college education. Student will use various smart things like laptop, phone etc for study! May be, there are some robotic teachers will made in future. What it is good for future generation?
May be not! Because robotic teachers have no emotions, no sentiments and feelings. "And this a basic human need!" But there are some advantages of this development of country take place, development of economy, study/education system will develop and etc.
"So, the future education change fully and the future education system will be better than this education system in which we all are studing."
Always there will be a mechanical teacher, smart gadget to solve student's problem. Even smart books, tools and etc things that will be very helpfull for students of future generation.
May be, In future alots of change will came in education system.

Name - Tanisha
Class - X
Al no. - 1137

Vardhman

Scanned with CamSc

Eng 14

Topic: ________ Date 04/05/

THE FUTURE OF EDUCATION

"Education is the most powerful weapon which you can use to change the world" ..
"The beautiful thing about learning is that no one can take it away from you"!!!

Today Due to the improvement in technology everything has become quite better and it has helped alot in all area whether in society or Science or Education. But if we talk about the future I mean regarding Education, it will be digitised because education is very impor-tant and play key role to be success in our life as the improvement in technology the dimensions of Education has also been changed from poor quality to standard one but it is expected in future that our new machine will be invented more as all the people (STD's teachers) are dependent on it. now having offline is that mean to waste our time as everything has become online. According to source that 70% students are interested to do study through smartphone and due the overusing of these smartphones, [illegible] [illegible] in our study it is affecting our behaviour [illegible] [illegible] becoming weak [illegible] on eyes, heart failure which is become harmful at Expectations.

Colours & Shapes

Eng 15

Modern Education has been changing from time to time. In the olden days the Education was Interest base, but today it is mainly stress. we have nearly 60 intermediate students had committed suicides due to stress. Many of corporate colleges and schools give a lot of work to the students. They want only better result. They don't care about the students and the style of writing are completely changed. Many of students listen lessons on online and modern exams linked with computer.

⇒ My hope is to improve students creativity and teachers increase the natural curiosity with learners. curiosity is the basis of innovation. curiosity will power our world to progress.

⇒ And finally my hope is that our school is different from most of the current transactional learning Model, where the students are consumers of Education.

The future of Education can be like: Education and use of social media, post secondary, Distance Education trends, curriculum Globalization, Massive Negatives, classroom in future. A.I can also be the future of Education. It can avenue through which students can improve digital literacy, thinking.

CONCLUSION

Education gives more skills and job opportunities to students. But present scenario teaching and learning process are going through online mode because of covid-19. For teaching through online mode, flow learning experience model gives the brief description for teaching and learning aid for academician. Traditional teaching is more effective than the online mode teaching because of face to face interactions, lively talking, active participation in activities/demonstrations.

Giving students a sustainable and high quality Education in the future will be made possible by a mix of teacher's involvement and A.I.

THANK YOU!

"Education is the passport to the future, for tomorrow belongs to those who prepare for it today."

THE END.

Name- Subhashree Ghosh, class 9th, House-Ambedkar, Admission No-1257.

Scanned with CamSc

THE FUTURE OF EDUCATION.

DATE 03.05.24

Introduction: The World of Education is Changing Rapidly and it can Be Difficult to keep up with all the latest Trends and the Developments. In this article, we will Explore Four key predictions for the Future of Education. We will Examine the Rise of Online learning, Personalized learning, and other trends that are likely to Shape the education landscape in the years to come.

Prediction 1: Online learning will continue to Grow:

Online learning has Been around For years, But it Really took off During the COVID-19 pandemic. many Schools and Universities were forced to transition to online learning and this Trend is likely to continue in the Future. In Fact, a Recent Report By Research and markets predicts that the Global online education market will Grow By over 10% annually Between 2021 and 2026.

There are many Benefits to online learning including increased accessibility and the Flexibility. students can learn at their own pace, and from anywhere in the world. online learning is also often more an

Scanned with CamSc

affordable than traditional in-person learning, making education more accessible to a wider range of students.

Prediction 2: online learning will continue and the Personalized learning will Be the Norm:

- Personalized learning is a method that involves tailoring learning experiences to suit the needs and preferences of individual students. This approach is Becoming increasingly popular, and it's predicted that it will Become the norm in the Future of the education.
- In traditional classroom settings teachers often Deliver lessons to a large group of students, with little opportunity for an individual attention or customization. However, with the Rise of Technology and Data analytics, personalized learning has Become much more feasible.
- The Benefits of Personalized learning are significant. Students can learn at their own pace, and in a way that is most comfortable and effective for them. This leads to greater engagement and the retention, as well as higher levels of learning.

Scanned with CamSc

TOPIC **THE FUTURE OF EDUCATION.**

DATE 03.05.24

Prediction 3: Artificial Intelligence will Revolutionize Education.

Artificial Intelligence (AI) is already changing the face of Education, and this trend is set to continue. AI can be used to automate administrative tasks, such as grading, which frees up teacher's time to focus on more meaningful work. It can also be used to create personalized learning experiences, By analyzing data on student performance and providing targeted feedback and recommendations.

Prediction 4: Virtual and Augmented Reality will transform Education.

Virtual and augmented Reality (VR/AR) technology has already been used in many industries, including entertainment, sports and healthcare. However, it is now making its way into the world of education. VR/AR technology allows students to interact with Digital objects and environments in a way that was previously impossible. It can create a completely immersive learning experience that engages multiple senses, making it easier for students to learn.

Scanned with CamSc

The Future Of Education

The future of education means how will be a system of education in future and how the education will be taught. According to my prediction the education will be teach by a machenical teachers machenical teachers means there will be online classes in place of offline classes. It's not right that online classes will be happen because some topics will not clear of students. After seeing a negative impact we should go to a positive impact. The system of education is changing day by day. The education system is improving

but in India there are some places which do not have so good education facilities as, we see the education facilities like smartboards projectors are introducing which help students in clearing the doubts. As, we see the private schools have better education then a government schools. The ICSE schools syllabus is very difficult than the syllabus of CBSE.

1252

Neha Singh
class-X th

KUNAL SINGH Class VIII

Scanned with CamSc

PIYUSH class IX

Scanned with CamSc

Scanned with CamSc

ART-4

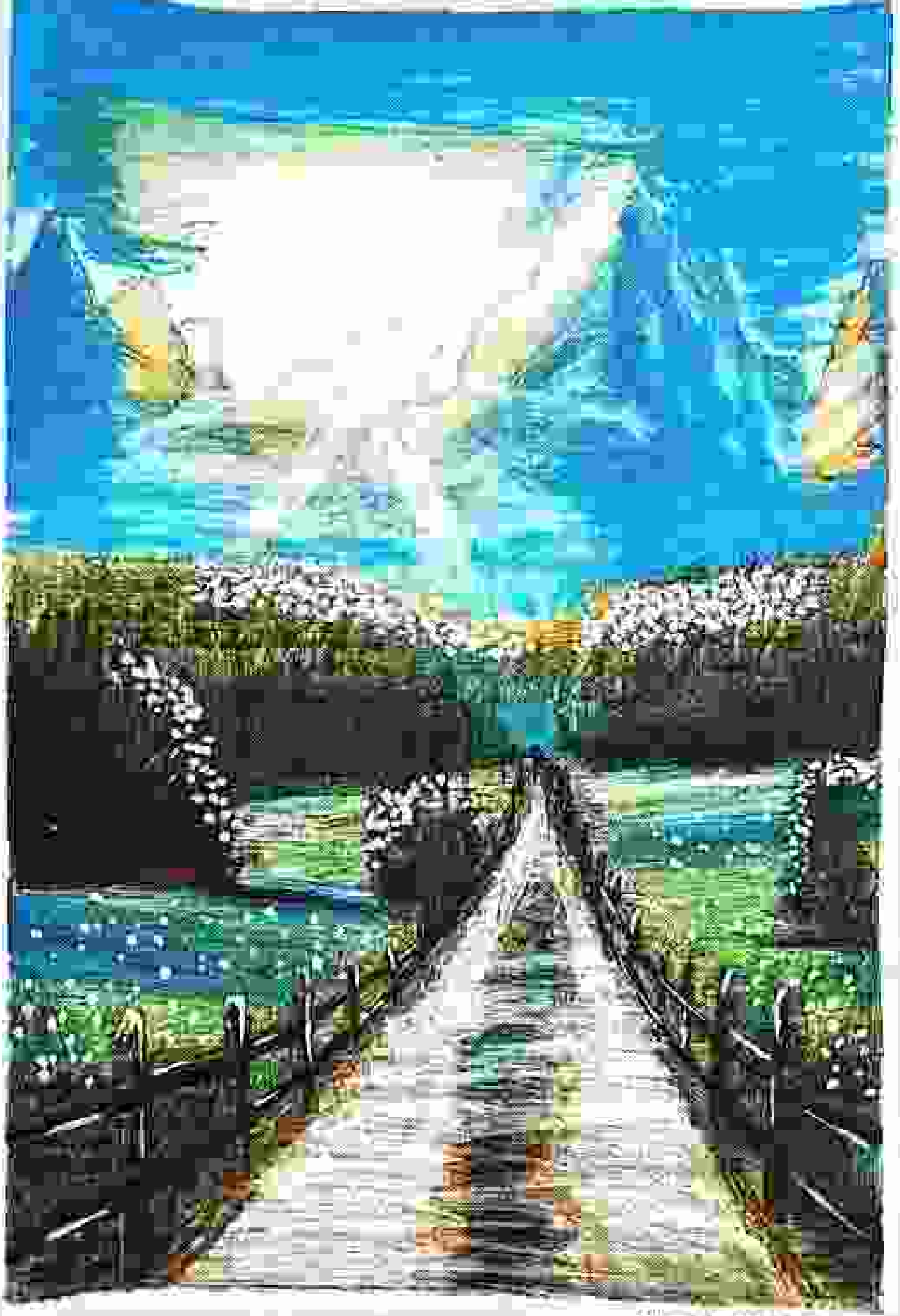

Sayan Kumar Samui 7th

Scanned with CamSc

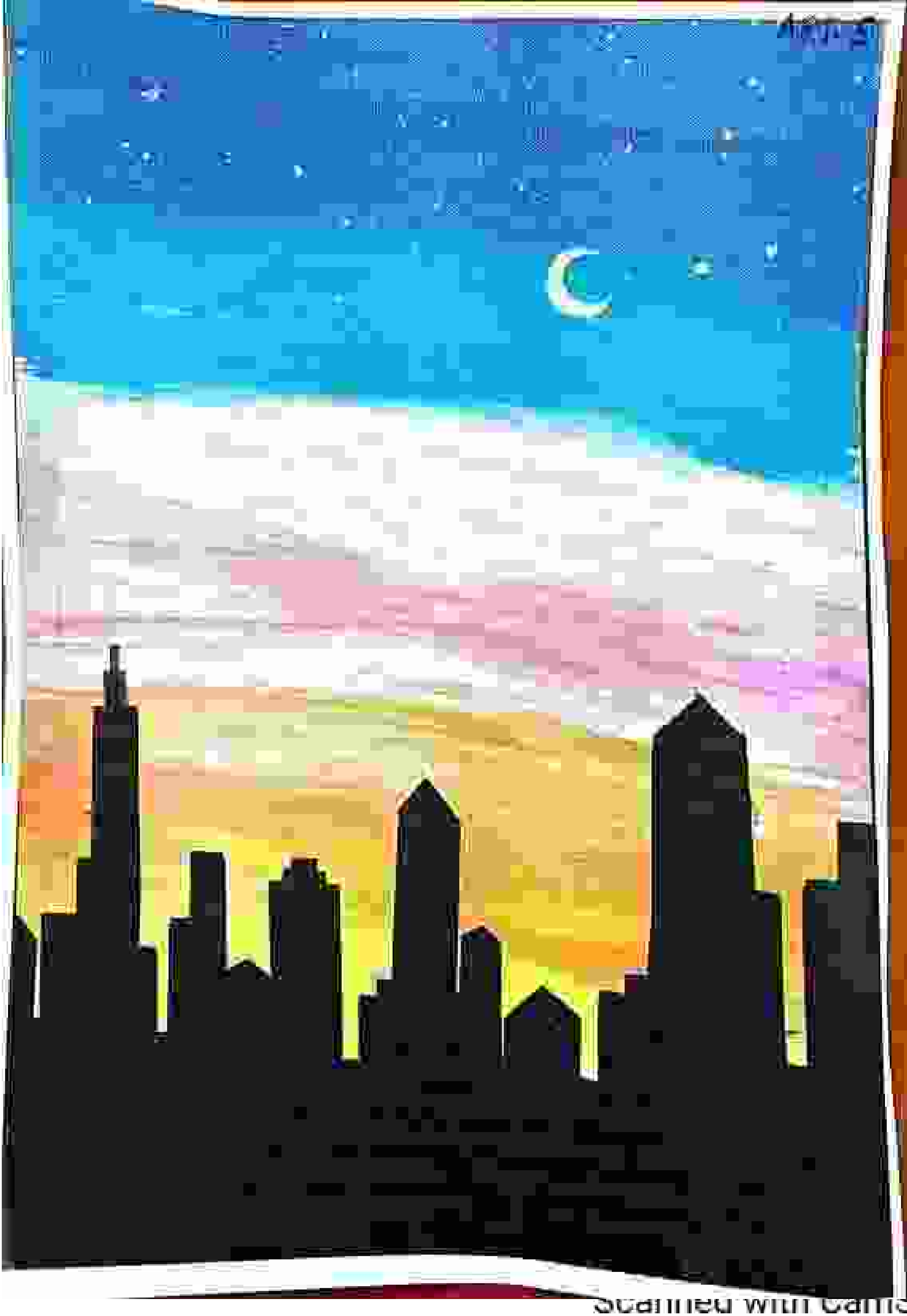

Scanned with CamSc

Scanned with CamSc

ART 7

ART-7

SHIVANI Class IX

Scanned with CamSc

Scanned with CamSc

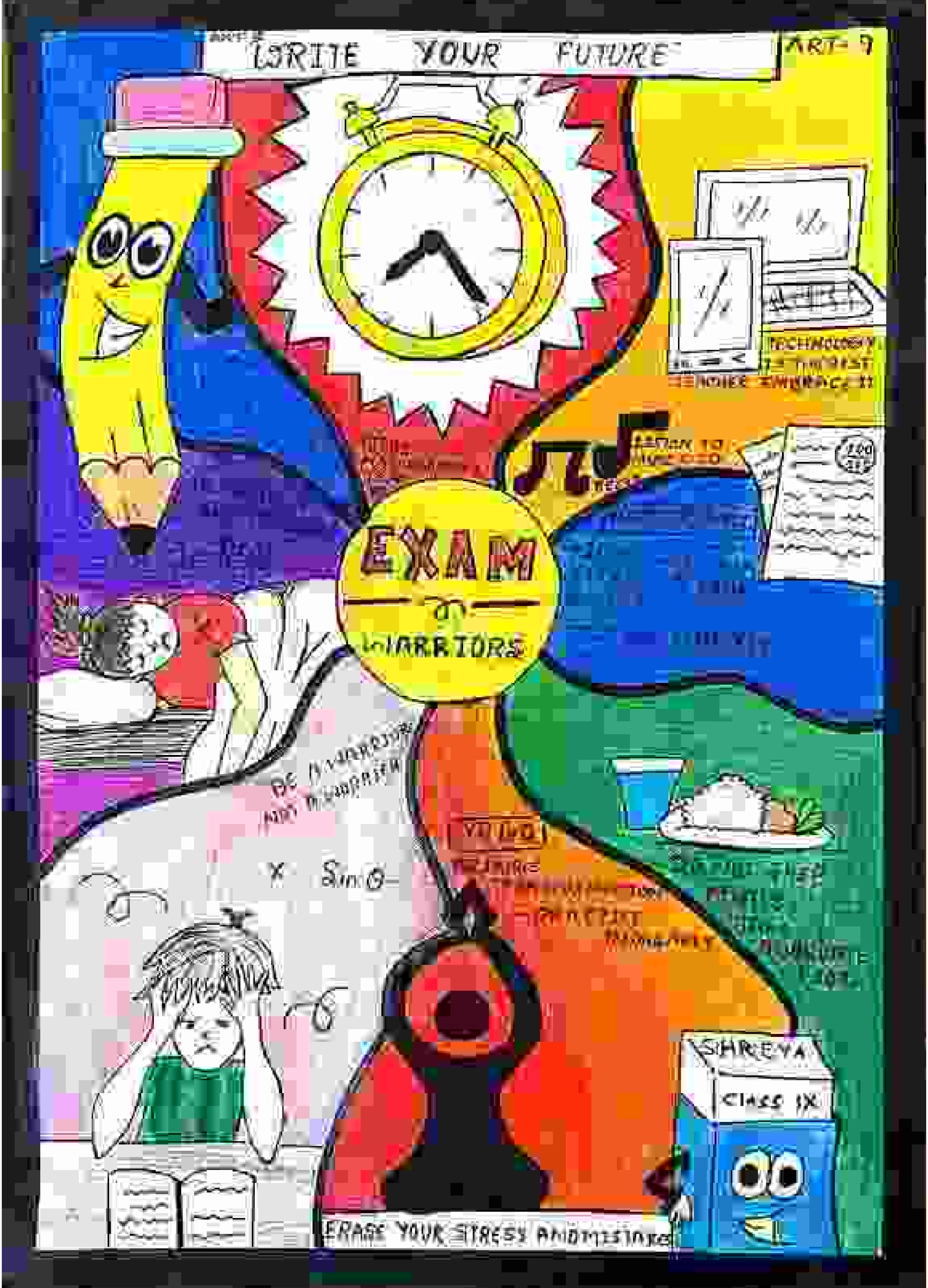

Scanned with CamSc

ART 10

ART-10

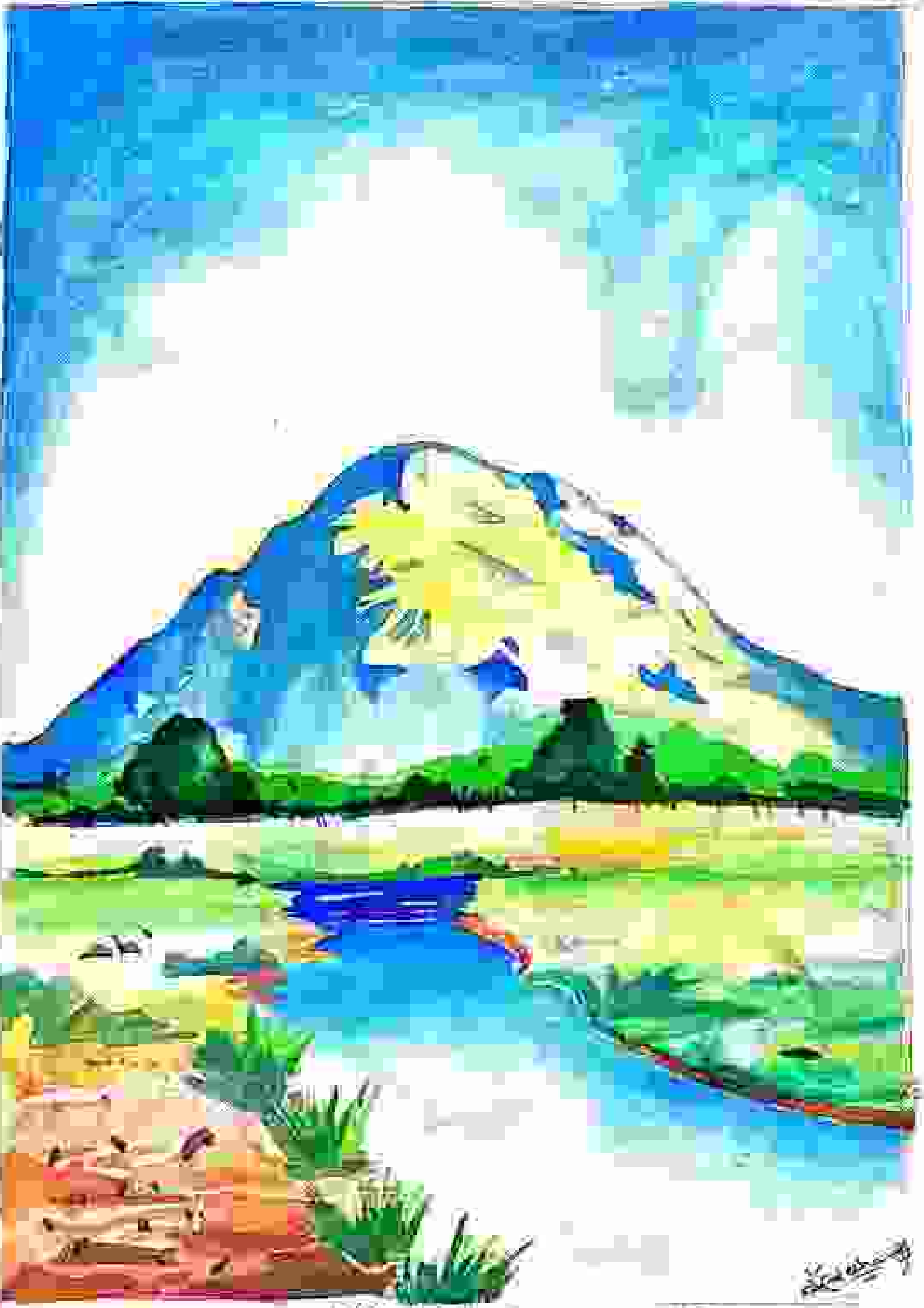

MADEEHA CLASS V

Scanned with CamSc

Scanned with CamSc

ART-12

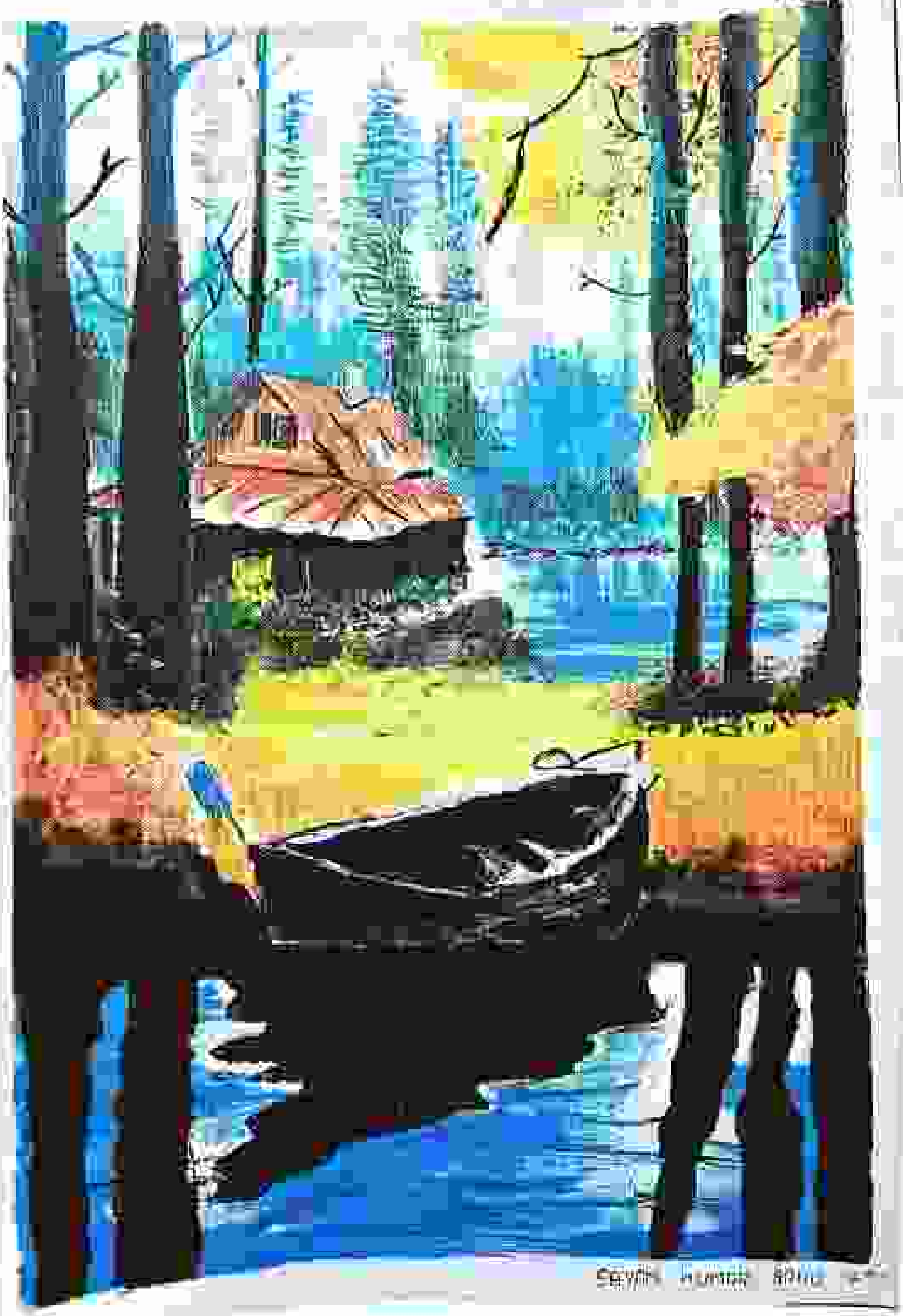

Scanned with CamSc

ART 13 ART-13

SHIVANI class IX

Scanned with CamSc

ART 14

ART-14

MANISH class X

Scanned with CamSc

Poster on Constitution Day
"संविधान हिन्दुस्तान की शान है,
भारतीय के अधिकारों की पहचान
Equality
National Constitution Day
Keshav Class XII

Scanned with CamSc

Scanned with CamSc

WE-01

Topic: History of Chandrayaan I

Date: 22.01.2024

ABOUT CHANDRAYAAN I

- Chandrayaan-1 was India's first mission to moon. The name Chandrayaan means; chandra - moon and yaan - vehicle, in Indian languages (Sanskrit and Hindi). The lunar spacecraft Chandrayaan-1 was launched successfully on October 22, 2008 from SDSC SHAR, Sriharikota. The spacecraft was orbiting around the moon at a height of 100 km from lunar surface for chemical, mineralogical and photo-geologic mapping of the moon. The spacecraft carried 11 scientific instruments built in India, USA, UK, Germany, Sweden and Bulgaria.

After the successful completion of all the major mission objectives, the orbit has been raised to 200 km during May 2009. The satellite made more than 3400 orbits around the moon and the mission was concluded when the communication with the spacecraft was lost on August 29, 2009.

The launch vehicle was PSLV-CII and then its mission life was 2 years. It was very difficult to overcome this conclude mission

UNIQUE PREMIUM QUALITY

Scanned with CamSc

Topic: History of Chandrayaan II

Date: 29.07.2024

ABOUT CHANDRAYAAN II

Chandrayaan 2 Mission was launched from the Satish Dhawan Space on July 22, 2019, by GSLV MK III-M1. The main aim of Chandrayaan 2 was to trace the location and the abundance of lunar water on the moon's surface. Chandrayaan 2 fostered the findings of Chandrayaan 1 as reported by the ISRO.

Indian Space Science Data Center (ISSDC) is the nodal center of planetary data archive for planetary missions of ISRO. The Chandrayaan 2 data are required to be in Planetary Data System-4 (PDS4) standard and required to be peer reviewed scientifically and also technically before acceptance as PDS archives and declared ready for sharing with global scientific community and general public. This activity has been completed and hence the first set of data from the Chandrayaan-2 mission are now being released for wider public use through the PRADAN portal hosted by ISSDC. Users may also visit ISRO website.

It was supposed to hover around above the intended landing site in order to make a soft vertical descent at "walking pace". Indian Express reported the lander crashed and made a hard landing on the moon's surface because of its high velocity.

UNIQUE PREMIUM QUALITY

Scanned with CamSc

संख्या

एक, दो, तीन

के बारे में

नाम :→ शिफ़त अशरफ़ ।

कक्षा :→ नौवीं

अनुक्रमांक :→ 08

Scanned with CamSc

Topic: चंद्रयान के बारे में।

WE-05 1

Date: 30-07-24

चंद्रयान-एक का प्रक्षेपण पर विस्तृत जानकारी :->

चन्द्रयान (एक) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के चन्द्र अन्वेषण कार्यक्रम के अंतर्गत चन्द्रमा की तरफ कूच करने वाला भारत का पहला अंतरिक्ष यान था। हालांकि इस अभियान का नाम केवल चन्द्रयान था, किन्तु इसी श्रृंखला में अगले यान का नाम चन्द्रयान-2 होने से इस अभियान को चन्द्रयान-1 कहा जाने लगा। चन्द्रयान-1 को 22 अक्टूबर 2008 को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपित किया गया था और यह 30 अगस्त 2009 तक सक्रिय रहा। इसके प्रक्षेपण में संशोधित ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (PSLV-XL) रॉकेट का उपयोग किया। चन्द्रयान-1 अन्तरिक्षयान के निर्माण को एक भारतीय मौसम संबंधी उपग्रह पर आधारित था। इसे चन्द्रमा तक पहुँचने में 5 दिन लगे पर चन्द्रमा की कक्षा में स्थापित करने में 15 दिनों का समय लग गया। अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक 8 नवंबर 2008 को चन्द्र की कक्षा में रखा गया और इसके कई दिनों बाद ही अपना चन्द्रमा प्रभाव प्रोब जारी किया। अभियान का उद्देश्य चन्द्रमा की सतह के विस्तृत नक्शे और पानी के अंश और हीलियम की तलाश करना था। इसका कार्यकाल लगभग 2 साल का होना था, मगर नियंत्रण कक्ष से संपर्क टूटने के कारण इसे उससे पहले बंद कर दिया गया। चन्द्रयान के साथ भारत चाँद को यान भेजने वाला छठा देश बन गया था। इस उपक्रम से चन्द्रमा और मंगल ग्रह पर मानव-सहित विमान भेजने के लिए रास्ता खुला। चन्द्रमा की सतह से सिर्फ 100 किलोमीटर ऊपर मंडराते हुए चन्द्रयान-1 ने चन्द्रमा की स्थलाकृति के कई उच्च-रिज़ॉल्यूशन चित्र लिए। यह मिनरलोजिकल मैपिंग भी करता था और विभिन्न रेडियोधर्मी तत्वों के लिए सतह को परिमाणित करता था। मिशन की प्रमुख उपलब्धियों में से एक चन्द्रमा की मिट्टी में मौजूद बड़ी मात्रा में पानी के अणुओं की खोज थी। मिशन की लागत केवल $56 मिलियन थी और इसने चन्द्रमा की सतह के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

चंद्रयान-एक द्वारा अध्ययन के विशिष्ट क्षेत्र :->

- ध्रुवीय क्षेत्रों के खनिज एवं रासायनिक इमेजिंग।
(ख) सतह या उप-सतह पर पानी-बर्फ की तलाश, विशेष रूप से चंद्र ध्रुवों पर।
(ग) पहाड़ों में चट्टानों की पहचान।
(घ) दूरस्थ संवेदन से और बाहरी ... के द्वारा ... की रासायनिक वर्गीकरण, आंतरिक सामग्री की इमेजिंग।
(ङ) पूरी सतह की ऊंचाई की भिन्नता का मानचित्रण करना।
(च) 10 केवी से अधिक एक्स-रे स्पेक्ट्रम और 5 मी (16 फुट) रिज़ॉल्यूशन के साथ चन्द्रमा की सतह के अधिकांश और स्टीरियोग्राफिक कवरेज का निरीक्षण।
(छ) चंद्रमा की उत्पत्ति और विकास को समझने में नई अंतर्दृष्टि प्रदान करना।

चंद्रयान-1 इस सदी की सबसे महान उपलब्धि :->

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने दावा किया कि चाँद पर पानी भारत की खोज है। चन्द्रमा पर पानी की मौजूदगी का पता ... (एमआईपी) ने लगाया। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के उपकरण ने भी चाँद पर पानी होने की पुष्टि की है। चंद्रयान-1 ने चाँद पर पानी की मौजूदगी का पता लगाकर इस सदी की महत्वपूर्ण खोज की है। इसरो के अनुसार चाँद पर पानी समुद्र, झरने, तालाब या बूंदों के रूप में नहीं बल्कि खनिज और चट्टानों की सतह पर मौजूद है। चन्द्रमा पर पानी की मौजूदगी पूर्व में लगाए गए अनुमानों से कहीं ज्यादा है।

⇒ चंद्रयान-1

Scanned with CamScanner

Topic: **चंद्रयान के बारे में।**

Date: 30-07-24

चंद्रयान-२ के प्रक्षेपण पर विस्तृत जानकारी :-

चंद्रयान-२ या द्वितीय चन्द्रयान, चंद्रयान-१ के बाद भारत का दूसरा चंद्र अन्वेषण अभियान है, जिसे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने विकसित किया है। इस अभियान को भारत में निर्मित एक चंद्रयान, एक रोवर एवं एक लैंडर शामिल है। इन सब का विकास इसरो द्वारा किया गया है। चंद्रयान-२ को २२ जुलाई को श्रीहरिकोटा रेंज से भेजा गया था। जहाँ से चंद्रयान-१ को भेजा गया था। पहले इस्तेमाल किए गए पुराने जीएसएलवी रॉकेट का उपयोग करने के बजाय अंतरिक्ष यान को उन्नत जीएसएलवी सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल मार्क III (जीएसएलवी एमके III) का उपयोग किया। पिछला बार के विपरीत, इसरो ने बजाय प्रतिबंध के कारण किसी भी विदेशी पेलोड को नहीं ले जाने का फैसला कर दिया। लेकिन जून २०१९ में, यह आशा से पृथक चंद्र की सतह पर लैंडर और रोवर को ले जाने के लिए आयोजित हुआ। वास्तविक परिक्रमा १०० किमी की दूरी पर चंद्रमा पर महत्वपूर्ण और निष्क्रिय प्रयोगों का आयोजन करेगा जैसा कि चंद्रयान-१ पर हुआ था। पर चंद्रयान-२ मिशन की लागत लगभग ९७८ करोड़ है। यह ऑर्बिटर लैंडर रोवर की दर पिछले से कम है। चन्द्रयान-१ के विपरीत इस बार दूसरा काफी ऊँचा है क्योंकि अंतरिक्ष यान भी एक चंद्र रोवर, ऑर्बिटर और लैंडर ले जा रहा है। इसके अलावा, चंद्रयान-२ स्वदेशी विभिन्न उपकरणों और इलेक्ट्रॉनिक वाहनों का उपयोग करने वाला देश का पहला मिशन है।

हालांकि, लगभग १:५२ बजे १५ किलोमीटर लैंडिंग से लगभग २.१ किमी की दूरी पर अपने निर्धारित पथ से भटक गया और लैंडर ने साथ प्रणाली नियंत्रण ने संचार खो दिया। ८ सितम्बर २०१९ को इसरो द्वारा सूचना दी गई कि ऑर्बिटर द्वारा लिए गए ऊष्मीय चित्र से विक्रम लैंडर का पता चल गया है। परन्तु अभी विक्रम लैंडर से सम्पर्क नहीं हो पाया है।

ऑर्बिटर, लैंडर और रोवर की मुख्य जानकारी :-

Topic: चन्द्रयान के बारे में।

Date: ३०-०७-२४

ऑर्बिटर :-

ऑर्बिटर 100 किलोमीटर की ऊँचाई पर चन्द्रमा की परिक्रमा करेगा। इस अभियान में ऑर्बिटर को नहीं भेजने का निर्णय लिया गया है। क्योंकि चन्द्रयान-2 ऑर्बिटर पहले से ही चन्द्रमा की कक्षा में मौजूद है, जिसकी सक्रियता है। इसरो के मुताबिक ऑर्बिटर उच्च रिजॉल्यूशन कैमरा (Orbiter High Resolution Camera) लैंडर के ऑर्बिटर से अलग होने से पूर्व लैंडिंग साइट के उच्च रिजॉल्यूशन तस्वीर देगा। ऑर्बिटर का मिशन जीवन एक वर्ष है और इसे 100x100 किमी वाली चन्द्र ध्रुवीय कक्षा में रखा गया है।

लैंडर :-

चन्द्रयान-2 के लैंडर का नाम भारतीय अन्तरिक्ष कार्यक्रम के जनक डॉ विक्रम ए साराभाई के नाम पर रखा गया है। यह एक चन्द्र दिन के लिए कार्य करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो लगभग 14 पृथ्वी दिनों के बराबर है। विक्रम के पास बेंगलुरु के पास ब्यालालु में आईडीएसएन के साथ-साथ ऑर्बिटर और रोवर के साथ संवाद करने की क्षमता है। परन्तु लैंडर से संपर्क टूट जाने के कारण लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) का कार्य असम्भव प्रतीत हो रहा है।

रोवर :-

रोवर का वज़न 27 किलो है और सौर ऊर्जा संचालित होगा। इलेक्ट्रिक पावर जनरेशन क्षमता 50 W है। चन्द्रयान-2 का रोवर प्रज्ञान नाम का 6 पहियों वाला रोबोटिक वाहन है, जो संस्कृत में ज्ञान का अनुवाद करता है। यह 500 मीटर (1/2 किमी) तक यात्रा कर सकता है और इसके कामकाज के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग करता है। यह केवल लैंडर के साथ संवाद कर सकता है। रोवर विक्रम की तरह 6 पहियों से चलेगा। मिट्टी और चट्टानों के नमूने इकट्ठा करेगा, उनका रासायनिक वि-

-अध्ययन करना और डेटा को ऊपर ऑर्बिटर के जरिए भेज देना जहाँ से इसे पृथ्वी के स्टेशन पर भेज दिया जाएगा।

हालाँकि लैंडर से संपर्क टूट जाने के कारण रोवर लैंडर से बाहर नहीं आ पाया है और यदि लैंडर से सम्पर्क नहीं होगा तो रोवर अपना काम नहीं कर पाएगा और चन्द्रमा से जुड़ी अहम जानकारियाँ हम तक नहीं पहुँचेगी।

चंद्रयान-2 की विशेषताएँ :->

(1) चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र पर एक Soft लैंडिंग का आयोजन करने वाला पहला अंतरिक्ष मिशन है।

(2) पहला भारतीय मिशन, जो स्वदेशी तकनीक के साथ चंद्र सतह पर एक soft लैंडिंग का प्रयास करेगा।

(3) पहला भारतीय मिशन, जो स्वदेशी तकनीक के साथ चंद्र क्षेत्र का पता लगाने का प्रयास करेगा।

(4) चौथा देश जो चाँद की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करेगा।

हालाँकि विक्रम के साथ संपर्क टूट जाने के कारण अभी इन सभी मिशनों का सफल होना असंभव प्रतीत हो रहा है परन्तु इसरो और नासा के वैज्ञानिक लगातार विक्रम से संपर्क स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। यदि विक्रम से संपर्क हो जाता है तो यह भारत के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि होगी और यदि विक्रम से सम्पर्क स्थापित नहीं हो पाता है तो भी भारत का चंद्रयान-2 मिशन 90 से 95 प्रतिशत सफल माना जाएगा।

चंद्रयान-2 की वर्तमान स्थिति :->

इसरो द्वारा चंद्रयान-2 की आरंभिक प्रक्षेपण 15 जुलाई 2019 की तड़के सुबह 2 बजकर 51 मिनट में प्रक्षेपण करने की योजना थी, जिसको कुछ तकनीकी खराबी की वजह से रद्द कर दिया गया था। इसलिए इसका अगला प्रक्षेपण 22 जुलाई 02:43 पर अपडेट कर दिया गया था, जिसमें चंद्रयान-2 को निर्धारित समय पर सफलता पूर्वक प्रक्षेपित किया गया। दिनांक 07 सितम्बर 2019 को

Topic: चंद्रयान के बारे में।

Date: 30-07-24

इसके बाद चंद्रमा की सतह से 25.01 किलोमीटर ऊपर विक्रम लैंडर का इसरो से सम्पर्क टूट गया है। दोबारा से लैंडर से सम्पर्क किया जा रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र (इसरो) के अध्यक्ष के सिवन ने कहा, विक्रम लैंडर चंद्रमा की सतह से 2.1 किलोमीटर की ऊंचाई तक सामान्य तरीके से नीचे उतरा। इसके बाद लैंडर का धरती से सम्पर्क टूट गया। आंकड़ों का विश्लेषण किया जा रहा है। मिशन पर इसरो के चेयरमैन के सिवन ने जानकारी दी है कि लैंडर को चंद्रमा की सतह पर ऑर्बिटर के थर्मल इमेज की मदद से देखा गया है और कहा कि ऑर्बिटर एवं इसरो लगातार कोशिश कर रही है, लैंडर के साथ संपर्क स्थापित किया जा सके।

⇒ चंद्रयान-2

चंद्रयान-3 के बारे में :->

इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (ISRO) कई सालों की मेहनत के बाद तीसरी बार में चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक पहुंचने वाला भारत पहला देश बना है। भारत के पहले चंद्र अन्वेषण मिशन को चंद्रयान कहा गया है। इसरो ने इसे 22 अक्टूबर 2008 को लॉन्च किया था। चंद्रयान का लक्ष्य चंद्रमा पर पानी की बर्फ की मौजूदगी की पुष्टि करना था। लेकिन अगस्त 2009 में, संचार समस्या के कारण चंद्रयान-1 मिशन को समाप्त कर दिया गया था। 22 जुलाई 2019 को दूसरा चंद्र अन्वेषण मिशन चंद्रयान-2 लॉन्च किया गया। लेकिन यह मि-

Topic: चंद्रयान के बारे में।

Date: 30-07-24

[illegible] चांद की कक्षा में प्रवेश करने के बाद अंतिम
क्षण में सॉफ्टवेयर में गड़बड़ी के कारण सॉफ्ट
लैंडिंग में विफल हो गया था। इसके बाद चंद्रयान-3 को 14
जुलाई 2023 को आंध्र प्रदेश के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र श्री-
हरिकोटा से दोपहर 2:35 बजे लॉन्च किया गया और यह यान
23 अगस्त 2023 को शाम 06:04 बजे के आसपास चांद के
दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्वक सॉफ्ट लैंडिंग की। इसके साथ
ही भारत अमेरिका, रूस और चीन के साथ चंद्रमा की कक्षा
में सफलतापूर्वक प्रक्षेपण करने वाला चौथा देश बन गया है।
चंद्रयान-3 को जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल मार्क
III (LVM3) का उपयोग करके लॉन्च किया है। चंद्रयान-3 में
एक स्वदेशी लैंडर मॉड्यूल (एलएम), प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम)
और एक रोवर शामिल है। पीएम का मुख्य कार्य एलएम
को लॉन्च व्हीकल इंजेक्शन से अंतिम चंद्र 100 किमी गोलाकार
ध्रुवीय कक्षा तक ले जाना और एलएम को पीएम से अलग
करना। इसके अलावा, प्रोपल्शन मॉड्यूल में मूल्यवर्धन के रूप
में एक वैज्ञानिक पेलोड भी है जो लैंडर मॉड्यूल के अलग
होने के बाद संचालित होगा। चंद्रयान-3 के तीन मुख्य उद्देश्य

=> लैंडर की चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग करना।
=> चंद्रमा पर रोवर की विचरण क्षमताओं का अवलोकन और प्रदर्शन।
=> चंद्रमा की संरचना को बेहतर ढंग से समझने और उसके विज्ञान को
अभ्यास में लाने के लिए चंद्रमा की सतह पर उपलब्ध रासायनिक
और प्राकृतिक तत्वों, मिट्टी, पानी आदि पर वैज्ञानिक प्रयोग करना।
=> चंद्रयान-3 भारत के लिए एक बड़ी सफलता है। चंद्रयान-3 रोवर प्र-
ज्ञान 23 अगस्त को लैंडिंग के कुछ देर बाद लैंडर से नीचे उतर
गया था। प्रज्ञान रोवर लगातार चंद्रमा पर चल रहा था और विभिन्न
[illegible] को भेज रहा था। लेकिन अभी इसरो के नवीनतम
अपडेट के अनुसार, रोवर ने अपना कार्य पूरा कर लिया है और अब
इसे सुरक्षित रूप से पार्क कर स्लीप मोड में सेट कर दिया ग-
या है। अब इसे दोबारा तब शुरू किया जाएगा जब 22 सितंबर के
करीब सूर्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर फिर से उगेगा।

Topic: चंद्रयान के बारे में।

Date: 30-09-24

⇒ चंद्रयान-3

धन्यवाद

WE-13.

KALPANA CHAWLA

- Kalpana Chawla (17 March 1962 - 1 Feb 2003) was and Indian-born American astronaut and aerospace engineer who was the first women of Indian origin to fly to space. She flew on Space shuttle Columbia in 1997 as a mission specialist.

Awards:- Posthumously awarded the congressional space medal of honour, the nasa space flight Medal, & NASA distinguished service Medal. On her first mission Chawla travelled over 10.4 million miles in 252 orbits of the earth, logging more than 372 hours in space. Kalpana Chawla's daily routine was to do jogging, hiking, backpacking, gym sessions etc.

A typical day in there life was that I loved to explore the country, planets orbits and would enjoy a lot about everything I saw in space, I will work with my friends/crews and enjoy a lot.....

Scanned with CamSc

संस्कृत

SAYAN KOMAR
SAHO 7th
3a

शब्दार्थ

उदिते	उगने पर, निकलने पर	=	on the rise
नदति	आवाज़ / ध्वनि करता	=	sings
उच्चैः	ऊँची आवाज़ में, ज़ोर से	=	loudly
ढक्का	नगाड़ा	=	drum
भाषेयम्	यह भाषा	=	this language
मता	मानी गई है	=	is excepted
निधिः	खजाना	=	treasure
विचार्य	विचार कर	=	considering
परा	सबसे बड़ी	=	the greatest
राजसु	राजाओं में	=	among kings
केयूरा	बाजूबंद	=	bracelets

Scanned with CamScanner

पहेलियाँ संस्कृत में अर्थ के साथ

(i) अपदो दूरगामी च साक्षरो न च पण्डितः।
अमुखः स्फुटवक्ता च यो जानाति स पण्डितः।

—अर्थ—

ऐसा क्या है जो बिना पैरों के दूर
तक जाता है, अक्षरों से युक्त है
और बिना मुँह के स्पष्ट बोलता है।
जो भी इसका उत्तर जानता है।
वही पंडित अर्थात् विद्वान है।

उत्तर

पत्र

Thakur
नाम

कक्षा - 6

दश संस्कृतप्रहेलिका

प्र०-1) कः वस्तु सुवर्णेन निर्मितः किन्तु स्वर्णकारस्य दुकाने न लभ्यते?
उ०) तकिया तथा खाट।

प्र०-2) कः वस्तु समुद्रजाता भवति च गृहे निवसति?
उ०) लवण।
प्र०-3) कति मासाः सन्ति येषां 28 दिवसाः सन्ति?
उ०) 12 मासाः।
प्र०-4) तस्य शरीरं हरितं कृष्णपिच्छिकाः च अस्थिगृहस्य उपरि अस्ति?
उ०) तरबूज।
प्र०-5) किं तत् वस्तु यत् स्फुटने शब्दं न करोति?
उ०) बुदबुद।
प्र०-6) कस्य फलस्य उदरे दन्ताः सन्ति?
उ०) दाडिम।
प्र०-7) यस्य उदरस्य रेखा अस्ति तस्य लघु फलीरस्य विषये कथं ज्ञायते वा?
उ०) खरबूज।
प्र०-8) किं सर्वदा उपायं चलति किन्तु कदापि न आगच्छति?
उ०) श्वः।
प्र०-9) खिड्की अस्ति किन्तु पुष्पं न ददाति किन्तु दीवार नास्ति कथयतु किम्?
उ०) मधुमक्खी।
प्र०-10) किं तत् कार्यं यत् सर्वे अन्धकारे कुर्वन्ति?
उ०) प्रकाश।

Keshav
जैन

Topic: ____________________ Date: __________

वृथा वृष्टिः समुद्रेषु वृथा...
श्लोक

वृथा वृष्टिः समुद्रेषु वृथा तृप्तेषु भोजनम्।
वृथा दानं धनाढ्येषु वृथा दीपो दिवापि च ॥

Rain over ocean is meaningless, Meaningless is Feeding a well fed person, charity to a rich person is meaningless, meaningless is lighting lamp in daylight.

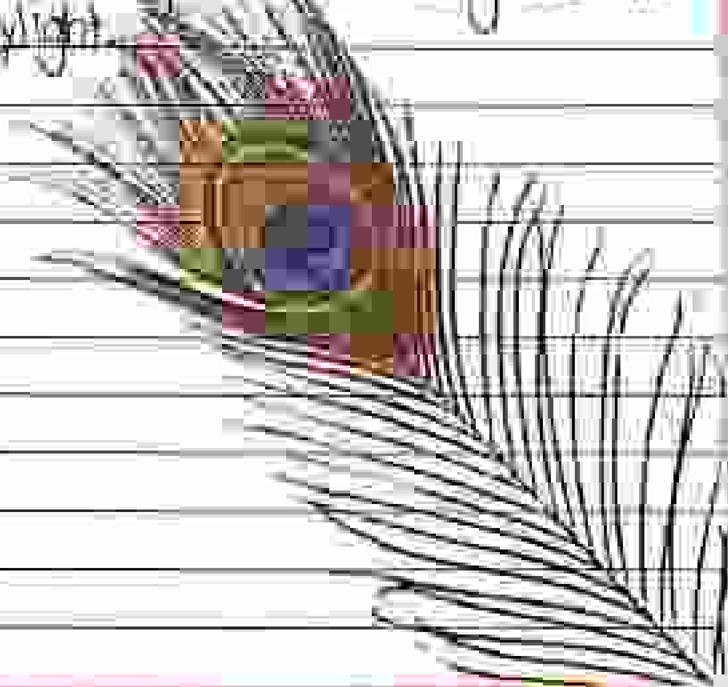

Scanned with CamSc

संस्कृत पत्रिका

बुद्धिमान् शिष्यः

वाराणसी नगरे एकं गुरुकुलम् । तत्र एकः गुरुः । गुरुः समीपे विद्याभ्यासार्थं दूरात् आगताः बहवः शिष्याः आश्रमे वसन्ति स्म । एकदा एकः तरुणः गोपालकः आश्रमम् आगतवान् । आगतं गोपालकं दृष्ट्वा शिष्याः उक्तवन्तः ... आगतः गोपालकः किं करोति । गोपालकः तैः चिन्तितवान् ... आगतः गोपालकः पण्डितस्य समीपे गतवान् । सः उक्तवान् ... आचार्य ! अहं विद्याभ्यासार्थम् आगतवान् । हा हा । सर्वे शिष्याः तत् श्रुत्वा गोपालकस्य परिहासं कृतवन्तः । परन्तु पण्डितः गोपालकं प्रीत्या दृष्टवान् । सः गोपालकस्य बुद्धिपरीक्षार्थं पृष्टवान् ... वत्स ! देवः कुत्र अस्ति ? गुरो ! देवः कुत्र नास्ति ? कृपया भवान् एव समाधानं वदतु । इति उक्तवान् । भवान् बुद्धिमान् । अतः विद्याभ्यासार्थं अत्र वसतु । इति उक्तवान् । कस्यापि गुणस्य निरादरं न करणीयम् ।

Name Shambhavi
class - 6th
Roll no -
Admission no -

विद्यालय पत्रिका

विषय - संस्कृत

फोटो

चुटकुले

① जानासि त्वं सर्वे जनाः मम जनकस्य अग्रे शिरः नमन्ति ?

नहि, नहि, मम पिता तु नापितः आसीत् ।

② यमराजः - भवतः कालः समाप्तः, अतः कापि अन्तिमेच्छा ??

मानवः - कांग्रेसदलस्य सर्वकारं द्रष्टुम् इच्छे ।

यमराजः - चतुर प्राणिन् ! अमरत्वम् वाञ्छसि....

③ रमेशः - भवतः विवाहोऽभवत् वा ?
मोहनः - आम् ।
रमेशः - अधुना किं करोति भवान् ?
मोहनः - पश्चात्तापम् ।

④ माता - कुत्र गच्छसि ?
बालकः - मम जीवनं मम नियमाः ।

😆..😆..😆......

धन्यवादम् !

नाम - कोमल पंवार
कक्षा - आठवीं "अ"
अनुक्रमांक - 23

Topic: कविता रचना Date:

ज - अ - म - म - य पुरीं पुरं कौशल्यति भामिनी।
रचयते अपि कार्यं पाठयते सुभाषिणी।

स्तुलस्य करणीयं सर्वदर्शन [illegible] [illegible] कोला।
बहु उत्साहिता पाठयति आचार्या [illegible] ।।

[illegible] पथकिः [illegible] । आलोकयति पुरस्कृतोया
[illegible] किन्तु [illegible] तु [illegible] [illegible] रीखा।

[illegible] आसीत् [illegible] किमपि
मधु [illegible] स्तुलाः करोति [illegible] भामिनी ।।

संस्कृतीवाद [illegible] भवतु [illegible] ,
[illegible] [illegible] व्याकरण(शेषा) ।

[illegible] [illegible] [illegible] सुकुमारी यथा
[illegible] : [illegible] [illegible] स्तुचित्र

[illegible] [illegible] सर्वज्ञुणवान्
[illegible] : विदुषी

[illegible] इति इच्छति आचार्ये
[illegible] : ।

[illegible] [illegible] : [illegible] [illegible] च
[illegible] इति मुम्बई - विद्यापीठम्
[illegible] प्रार्थना । [illegible] ।।

- पंकज . [illegible]

शीतकालीन गृह कार्य

संस्कृत

"ग्लोबल वार्मिंग" के ऊपर 10 वाक्य चित्र सहित

M.D.P

नाम → आशुतोष दीक्षित

कक्षा → 8th

अनुक्रमांक → 11

दिनांक → 2/Dec/2024

Scanned with CamSc

Scanned with CamSc

Date: [illegible] Dec [illegible]

"ग्लोबल वार्मिंग" के ऊपर 10 वाक्य लिखिए सहित (संस्कृत में)

1. वैश्विक तापनं महान् संकटम् अस्ति।

2. पृथ्वी: तापयते।

3. ग्रीनहाउस प्रभाव: तापमानं वर्धयति।

4. हिमबिन्दव: पिघलन्ति।

5. समुद्रस्य जलस्तरं उत्पत्तिं गच्छति।

6. जलवायु परिवर्तनं भयानकं अस्ति।

7. वृक्षा: कार्बन डाइ ऑक्साइडं शोषन्ति।

8. नवीकरणीय ऊर्जा: पर्यावरणं रक्षन्ति।

9. वैश्विक तापनं रोधयितुं सर्वे मिलित्वा कार्यं कुर्म:।

10. भविष्यं रक्षितुं वयं प्रयत्नं कुर्म:।

धन्यवाद:।

Scanned with CamSc

संस्कृत श्लोक:

श्लोक: नास्ति विद्या समं चक्षु
नास्ति सत्यं समं तपः
नास्ति राग समं दुःखं।
नास्ति त्याग समं सुखं।

अर्थ विद्या के समान आँख नहीं है सत्य के समान तपस्या नहीं है, आसक्ति के समान दुःख नहीं है और त्याग के समान सुख नहीं है ॥

नाम - [illegible]
कक्षा - [illegible]
Adm. no- 897

Scanned with CamScanner

विद्यार्थी का फोटो

प्रहेलिका

- अस्ति नाम द्विपदे पञ्च पदे च चतुष्पदे स्थाः। किं जनः? Answer : "Man" or "Human".

- यो नगरे स्थितः सर्वदा, अदृश्य नाम किं वदः।

  Answer : "Shadow"

- यो निशायां आदीते नित्य, अन्धः तस्य न जानाति।

  Answer : "Lamp"

- अस्ति आज्ञात विपरीतं, अस्ति तत्र च वर्तते।

  Answer : "Mirror".

नाम = निधिता मांगुर
कक्षा = सातवीं
रोलनं = 02
Adm no : 926

Scanned with CamScanner

Topic: Vidyalaya Patrika Date: 23rd/11/2023

Name – Ajit Kumar
Class – 7th
Roll no. – 23
[illegible] – Ravi Singh Ji

कालः पचति भूतानि कालः संहरते प्रजाः।
कालः सुप्तेषु जागर्ति कालो हि दुरतिक्रमः॥

Time Devours All Things, Time helps in that we learn. Time Awakes while all others sleep. Time is insurmountable.

Scanned with CamSc

Topic: Digital Library   Date: 01 February 2025

Digital Library

A digital library is a collection of digital objects stored in an electronic format. It includes databases, search engines and [illegible] [illegible].

Benefits:-

- **Accessibility:** Digital library provide access to educational resources 24/7.
- **Cost effectiveness:** Digital libraries can [illegible] reduce the need for physical [illegible].
- **Up-to-date material:** Digital libraries can provide access to the latest research, journals and multimedia.
- **Global learning opportunities:** Digital libraries can connect students with peers and educators worldwide.

Uses:

- Digital libraries can be used for research and teaching.

Topic ______ Date ______

* Digital libraries can be used to support personalised learning.
* Digital libraries can be used to integrate technology into education.

Examples :-

- The Digital Public Library of America.
- Open Library.
- The Internet Archive.
- Project Gutenberg
- The World Digital Library
- Universal Digital Library.

WHEN IN DOUBT, GO TO LIBRARY....

Scanned with CamSc

Topic: Role of Library. Date: 31-12-2024

ROLE OF LIBRARY

Library is a place where different types of books kept. Students come here to study. There is peace all around library is a disciplined place. Proper silence has to be maintained at the library. Students can issue any book for reading. They have to return the books after reading. No book is for selling purpose. This is good place for making concentration in studies. Libraries have a lot of knowledge and information. They provide access to countless books and resources. Librarians help users to find the books they need. Many libraries also offer e-books and digital resources. They often host events like book clubs and lectures. Libraries are essential for students and researchers. They encourage a love for reading and learning. Libraries are like a treasure chest of stories and facts.

THANK YOU!

Name: [illegible]
Class: [illegible]
Roll: [illegible]

Scanned with CamSc

NAME :- Sanjan Kumar Sahu
CLASS :- 7th
Roll No :- 30

Topic: ____________ Date ____________

Types of Library

There are 7 different types of libraries:

1. Public Library
2. Digital Library
3. Academic Library
4. Nation Library
5. Special Library
6. OPACs
7. Research Library

PUBLIC LIBRARY => Public libraries are the most ubiquitous type of library. those libraries are typically funded by local and state governments and serve the public.

DIGITAL LIBRARY => A digital library is a type of library that exists exclusively online, allowing users to access a vast collection of digital materials such as e-books, audiobooks, videos, images, and other digital resources.

ACADEMIC LIBRARY => Academic library are libraries attached to universities, colleges, and other educational institution.

NATIONAL LIBRARY => National libraries are libraries that are affiliated with the government of a country.

SPECIAL LIBRARY => Special libraries are distinct libraries that are affiliated with specific organization or institution.

Scanned with CamSc

such as corporations, government agencies, hospitals, or museums.

OPAC (Online Public Access Catalog) → OPACs are computerized catalogs that enable library users to search for resources.

RESEARCH LIBRARY → A research library is a curated collection of materials supporting academic pursuits, including books, journals, archives, and digital databases.

Association of Library

Library associations connect libraries and library workers at the local, national and international level. Library associations often provide resources to their individual and institutional members that enables exchange of information, education, research, and development.

The special Libraries Association is one of the largest international association with 12,000 members in 83 countries with 58 chapters and 25 divisions.

Established on October 6, 1876, and chartered in 1879, the American Library Association (ALA) is the oldest and largest library association in the world.

HISTORY OF LIBRARY

The history of libraries began with the first efforts to organize collection of document. Topic of interest include accessibility of the collection, acquisition of materials, arrangment and finding tools, the book trade, the influence of the physical properties of the different writting materials, language distribution, role in education, rates of literacy, budgets, staffing, libraries for targeted audiences, architectural merit, patterns of usage, and the role of government, church or private sponsorship. Computerization and digitization arose from the 1960s, and changed many aspects of libraries.

Scanned with CamSc

Vidhalaya Patrika

(LIBRARY) ★ कविता ★

तूफान में साथ

जब दुख का काला साया छाये
या सुख का सूरज जगमगाये
दिल डूबे दुख की नदियों में
या आनंद सागर में लहराए

कोई है जो तुम्हें बताना चाहता है
कि वह है
तुम्हारे लिए, तुम्हारा दोस्त
बादल, बिजली, बारिश, धूप
हर मौसम में तुम्हारे साथ

मुझे बताना है तुम्हें
कि मैं हूँ
हर तूफान का सामना करने तुम्हारे साथ
हमेशा, बस पकड़ लो तुम मेरा हाथ
कभी न छोड़ूँगा तुम्हारा साथ।

धन्यवाद!

नाम - कोमल पंवार
कक्षा - आठवीं (अ)
अ.क्र. - 23

Scanned with CamSc

केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल,

हुमहामा

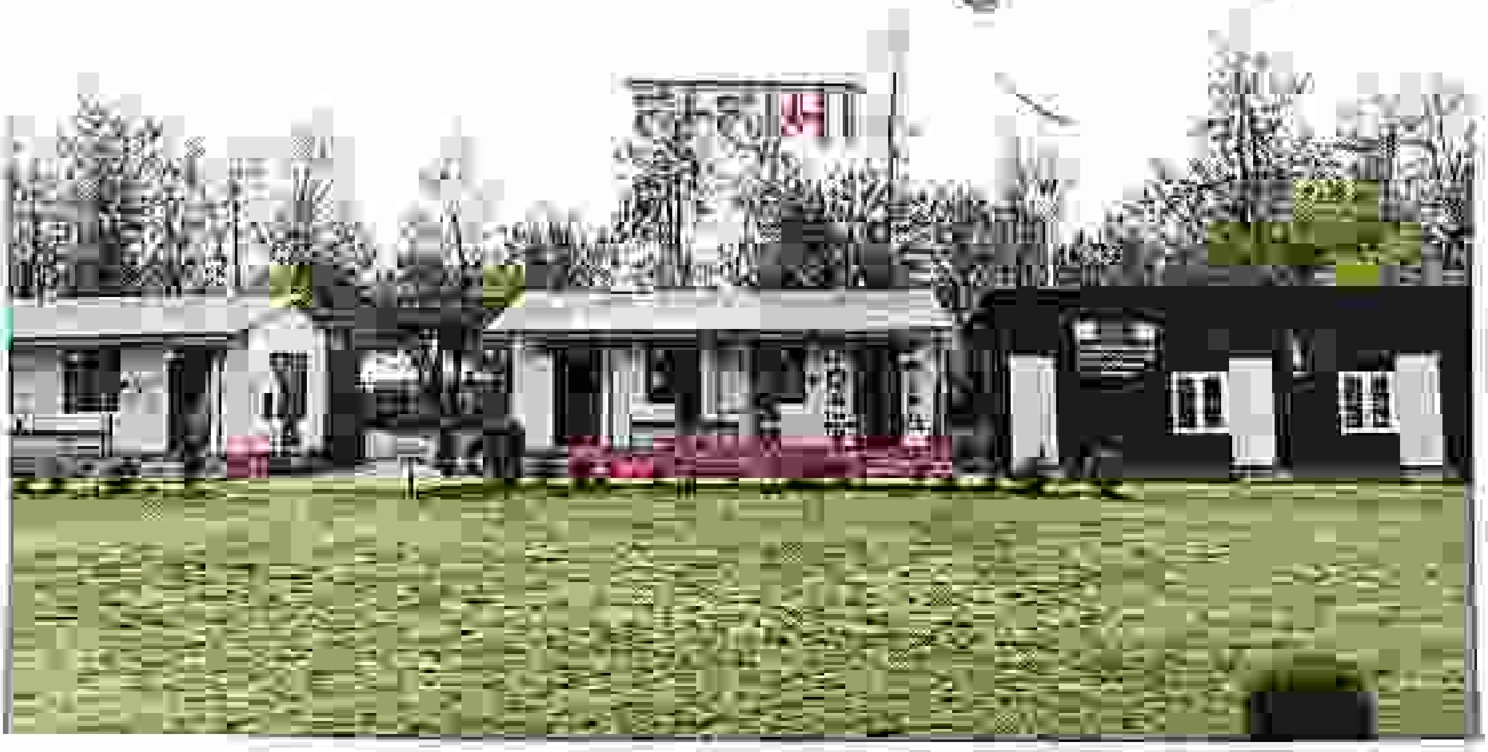

Scanned with CamSc